पढ़ें देवभूमि के सब परिवार, जगे देशभक्ति मिले संस्कार www.matrivandana.org

मातृवन्दना

आश्विन-कार्तिक, कलियुगाब्द 5118, अक्तूबर, 2016

नापाक हरकतों से विश्व में बेनकाब हुआ पाकिस्तान

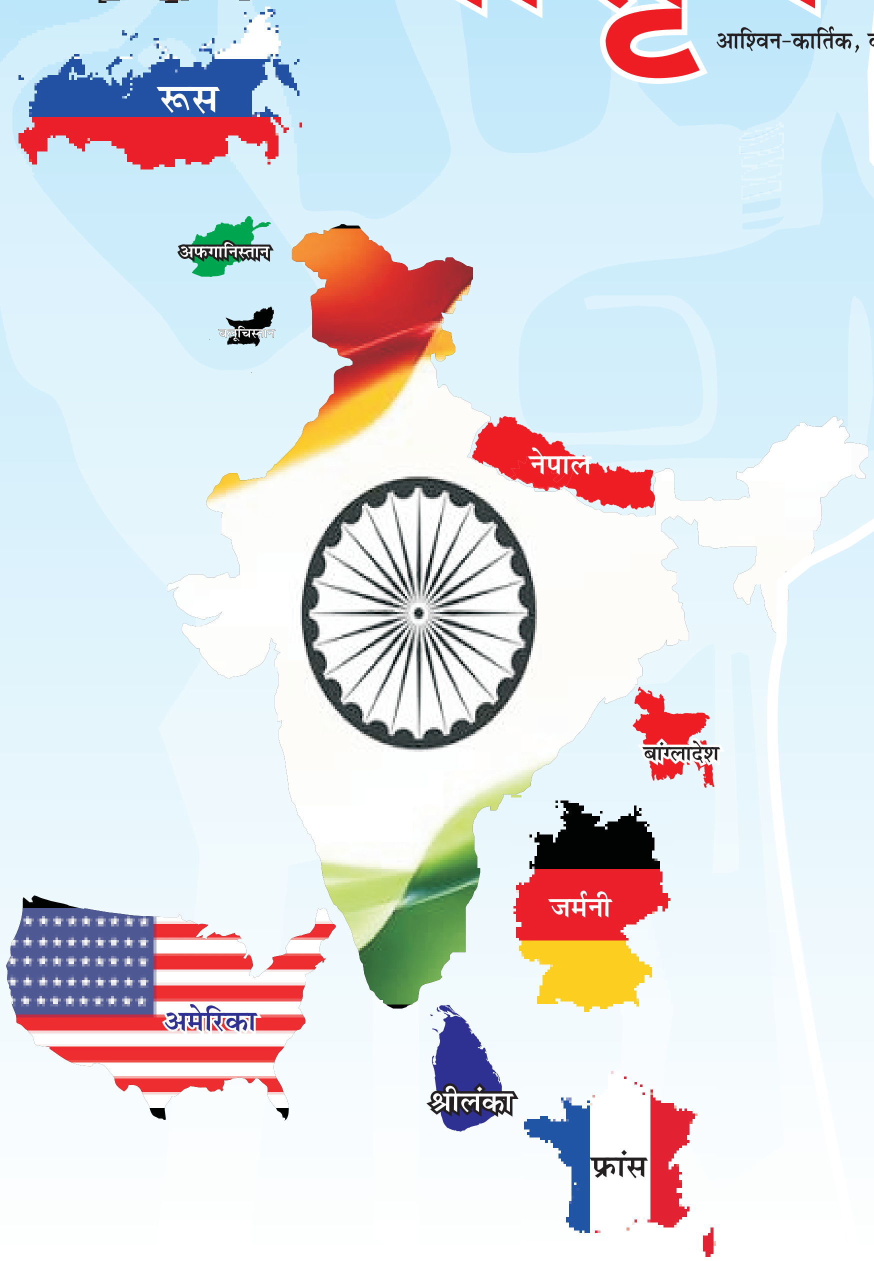

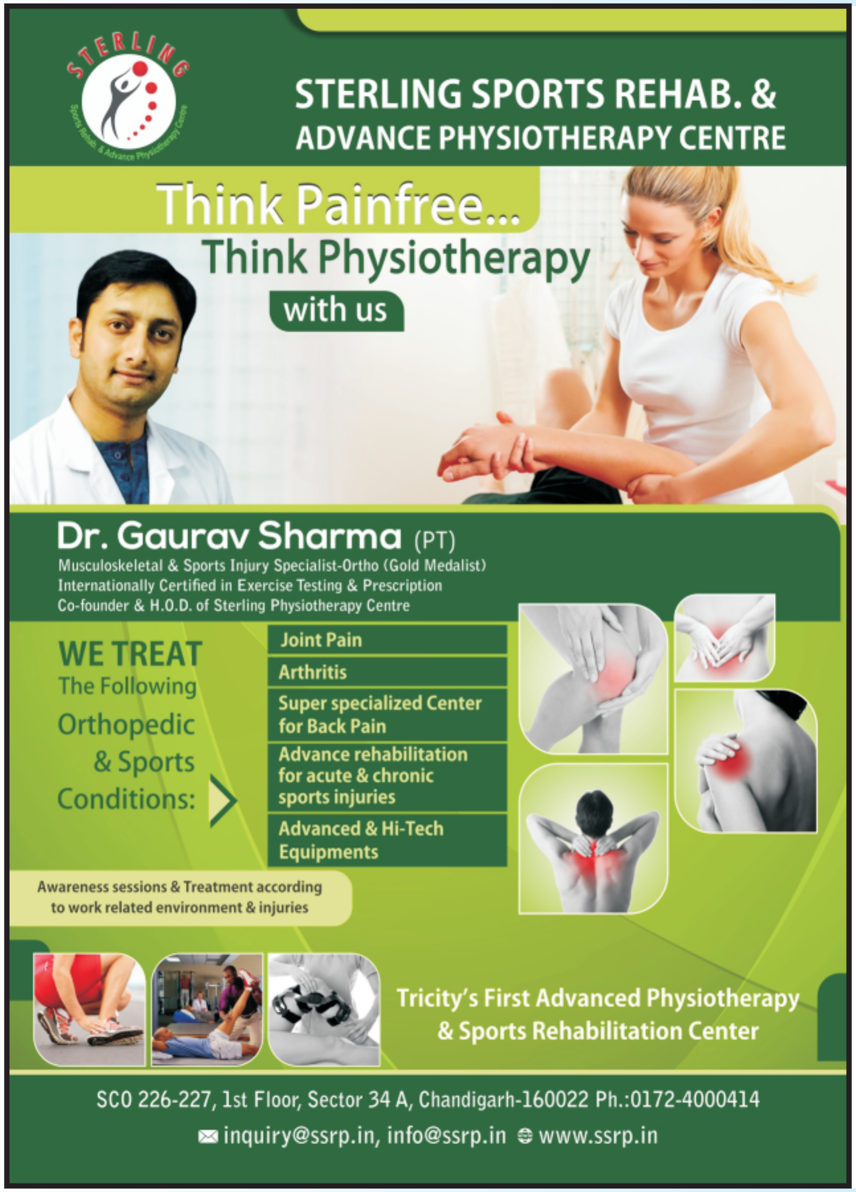

STERLING
Sports Rehab. & Advance Physiotherapy Centre
STERLING SPORTS REHAB. &
ADVANCE PHYSIOTHERAPY CENTRE
Think Painfree...
Think Physiotherapy
with us
Dr. Gaurav Sharma (PT)
Musculoskeletal & Sports Injury Specialist-Ortho (Gold Medalist)
Internationally Certified in Exercise Testing & Prescription
Co-founder & H.O.D. of Sterling Physiotherapy Centre
WE TREAT
The Following
Orthopedic
& Sports
Conditions:
Joint Pain
Arthritis
Super specialized Center for Back Pain
Advance rehabilitation for acute & chronic sports injuries
Advanced & Hi-Tech Equipments
Awareness sessions & Treatment according to work related environment & injuries
Tricity's First Advanced Physiotherapy
& Sports Rehabilitation Center
SCO 226-227, 1st Floor, Sector 34 A, Chandigarh-160022 Ph.:0172-4000414
inquiry@ssrp.in, info@ssrp.in www.ssrp.in

Global Printlink
Graphics Pvt.Ltd.
More refreshing in 3D
Indoor & Outdoor Branding
Customized Wall Decor
Corporate Gifts
Designing, Branding, Printing & Packaging
WE CAN PRINT
Wall Vinyl
Glass Film
Wall Covering
Cloth Banners
Artistic Canvas
Banners & Posters
Frontlits & Backlits
Printing on Leathrite
...and many more
Fastest & High Quality Printing in Tricity
HP Latex 360
for more details Call:
9041 444 799 | 0172-4664799
SCO 226-227, 1st Floor, Sector 34 A, Chandigarh - 160 022
E-mail: globalprintlink34@gmail.com

उत्साहो बलवानार्थ, नास्युत्साहात्पर बलम्।
सोत्साहस्य हि लोकेषु, न किंचिदपि दुर्लभम्।।

उत्साह बलवान होता है, उत्साह से बढ़कर दूसरा कोई बल नहीं है। उत्साही पुरुष के लिए संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

वर्ष : 16 अंक : 10

मातृवन्दना

आश्विन-कार्तिक, कलियुगाब्द 5118, अक्तूबर, 2016

सम्पादक
डॉ. दयानन्द शर्मा

सम्पादक मण्डल
दलेल सिंह ठाकुर
राजेन्द्र शर्मा

प्रबन्धक
महीधर प्रसाद

वार्षिक शुल्क
100 रुपये

कार्यालय
मातृवन्दना
डॉ. हेडगेवार भवन,
नाभा हाउस
शिमला-171 004
दूरभाष : 0177-2836990
e-mail:
www.matrivandana.org
matrivandanashimla@gmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक कमल सिंह सेन द्वारा मातृवन्दना संस्थान के लिए सवितार प्रैस, Pl-820, फेस-2, उद्योग क्षेत्र, चण्डीगढ़ से मुद्रित तथा डॉ. हेडगेवार भवन, नाभा हाउस, शिमला-171004 से प्रकाशित।
सम्पादक: डॉ. दयानंद शर्मा।
वैधानिक सूचना : पत्रिका में छपी सामग्री से सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं। इस सम्बन्ध में किसी भी कार्यवाही का निपटारा शिमला न्यायालय में ही होगा।

कश्मीर की स्थिति में अवश्य...

भारत सरकार को चाहिए कि वह पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने के लिए आक्रामक कूटनीति अपनाए और प्रमुख मित्र देशों को इस बात के लिए राजी करे कि पाकिस्तान आतंकी देश घोषित हो। दूसरी ओर कश्मीर के हालात सुधारने के लिए एक प्रभावी संवाद प्रक्रिया भी चलाये रखनी होगी। साथ ही वहां के बेरोजगार युवकों को रोजगार में प्राथमिकता देकर मुख्यधारा में शामिल करवाना होगा।

सम्पादकीय	कश्मीर की स्थिति में अवश्य सुधार होगा	3
प्रेरक प्रसंग	यह भी भक्ति है	4
चिंतन	विचार और मानसिकता	5
आवरण	समस्या की जड़	6
संगठनम्	युवा बनायें विवेकानंद	10
पुण्य जयंती	महर्षि वाल्मीकि	12
देश-प्रदेश	अंधत्व निवारण का शंखनाद	13
देवभूमि	ऊना का एक छोटा सा गांव	15
घूमती कलम	सैनिक ने पाकिस्तानी झंडे	17
काव्य-जगत	बेटी की जीत	20
स्वास्थ्य	प्री-हाइपरटेंशन	21
प्रतिक्रिया	गिरिपार क्षेत्र को विकास	22
विविध	समान नागरिक आचार संहिता	23
महिला जगत	नारीत्व का आदर्श	26
दृष्टि	'बियोंड रेसिपी' की गौऊओं	27
विश्वदर्शन	भारतवंशी किशोर ने ढूंढा	28
पुण्य स्मरण	एक सेवाभावी कर्मयोगी	29
समसामयिकी	सिंदूर लगाने पर ऐतराज	30
बाल जगत	अपनी संस्कृति को पहचानें	31

पाठकों के पत्र

सम्पादक महोदय,

जुलाई, 2016 का अंक ''सुखों का अक्षय भण्डार योग'' बहुत ही सही प्रस्तुति है। योग ऋषियों की वह देन है जिसे हम परहेज को इलाज से बेहतर की संज्ञा दे सकते हैं। आज विश्व इस ओर ध्यान दे रहा है। स्वामी रामदेव जी महाराज भी इसे जन-जन तक पहुंचाने में प्रयासरत हैं। समय की पुकार है कि योग को सभी शिक्षा तथा चिकित्सकीय संस्थाओं में चलाया जाए। विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्र में जहां लोग 70 प्रतिशत के अनुपात में भारतवर्ष में निवास करते हैं। गांव के लोग चिकित्सकीय सुविधाओं से आज भी वंचित हैं। यदि विद्यार्थी को बचपन से योग से जोड़ा जा सके तो वह सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। मुझे कुछ लोगों से बातचीत करने पर ज्ञात हुआ कि जो विद्यार्थी हर रोज योग करते हैं, वह उनसे अधिक तेज बुद्धि के होते हैं जो योग नहीं करते। इसी तरह जो व्यक्ति बीमार रहते थे योग करने के उपरान्त स्वस्थ तथा सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। एम.डी.एच. वाले श्री धर्मपाल का उदाहरण हमारे सामने है।❖

लक्ष्मी चंद, कसौली, सोलन

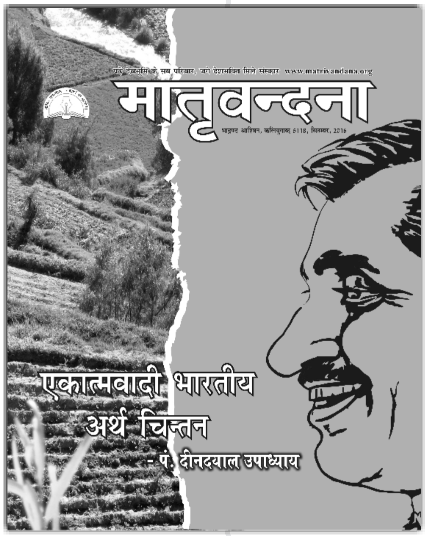

महोदय,

उड़ी में सेना पर आतंकी हमला देश के तेरह लाख सैनिकों के स्वाभिमान पर हमला है। इसमें सत्रह वीर सैनिक शहीद हो गए। पाकिस्तान ने सीमा पार से अघोषित युद्ध चला रखा है। भारत की आतंकवाद के प्रति लचर नीति का ही यह परिणाम लगता है। आतंकवाद पाक का पालतू अजगर है जिसका प्रयोग भारत के खिलाफ होता रहा है। समय- समय पर हुई आतंकवादी घटनाओं में हम अपने जवानों की बलि दे चुके हैं। हमारे जवानों ने जान की बाजी लगाकर दुश्मन के इरादों का मुंह तोड़ जबाव दिया है। ऐसा कब तक चलेगा?कब तक हमारे जवान यूं ही मरते रहेंगे। कमजोर राजनीतिक इच्छा शक्ति के कारण ही आतंकवाद को अपने पैर पसारने का मौका मिलता रहा है। भारत को अब पाकिस्तान को माकूल जबाव देना चाहिए। सेना को देश की सुरक्षा से सम्बंधित निर्णय लेने की खुली छूट दी जानी चाहिए। देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। हमारी सेना दुश्मनों से लोहा लेने में सक्षम है। राजनीतिक हस्तक्षेप सेना द्वारा जारी कार्यवाही के रास्ते में नहीं रहना चाहिए। आतंकवाद की इस घटना ने सरकार को एक बार नए सिरे से सोचने को मजबूर किया है। अब मात्र बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। ठोस कदम उठाकर आतंकवाद को कुचलना ही होगा। हमने वीर जवानों को खोया है। जवानों की शहादत बेकार नहीं जायेगी। उनकी कुर्बानी देशवासियों को प्रेरणा देती रहेगी। सभी देशवासियों की संवेदनाएं शहीदों के परिवार के साथ हैं। पूरा देश जवानों के बलिदान को प्रणाम करता है, उनके जज्बे को सलाम करता है।❖

जोगिन्द्र ठाकुर, भल्याणी, कुल्लू

सभी सुधि पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को विजय दशमी, श्री वाल्मीकि जयंती एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

स्मरणीय दिवस (अक्तूबर)

गांधी/शास्त्री जयंती	02 अक्तूबर
विजयदशमी	11 अक्तूबर
मुहर्रम	12 अक्तूबर
श्री वाल्मीकि जयंती	16 अक्तूबर
करवा चौथ	19 अक्तूबर
दीपावली	30 अक्तूबर
सरदार पटेल जयंती	31 अक्तूबर

कश्मीर की स्थिति में अवश्य सुधार होगा

कश्मीर को पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता है किन्तु आज इसकी स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। वर्तमान में कश्मीर समस्या उत्तरोत्तर विकटतम होती जा रही है। इस समस्या का राजनैतिक एवं प्रशासनिक समाधान के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार सतत् प्रयत्नशील हैं कि कहीं कोई कारगर उपाय कश्मीर में शान्ति स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो। सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान सिर-पैर की ताकत लगाकर कश्मीर में घुसपैठ करवाकर यहां की अवाम को भड़का रहा है और अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों से हमारी सेना और सुरक्षा बलों पर धोखे से हमले करवाकर उनके मनोबल हो पस्त करने की कोशिश कर रहा है किन्तु वह भूल रहा है कि उसे हमारी सशक्त सेना से कितनी बार हार का मुख देखना पड़ा है।

यहां कश्मीर में अपनी सेना एवं सुरक्षाबलों के हाथ इसलिए बंधे हैं कि कश्मीर अवाम जो हमारी अपनी है, उसे कोई नुकसान न पहुंचे। अलगाववादी ताकतें कश्मीर में भी भोली जनता, युवा एवं किशोरों को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए उकसा रही हैं। ये लोग क्यों नहीं समझ पा रहे कि वे अपने पांव पर स्वयं कुल्हाड़ी मार रहे हैं। विगत् 2 महीनों से कर्फ्यू ग्रस्त कश्मीरी घर के अन्दर बैठा है। सारे काम-काज, व्यवसाय आदि पूरी तरह बंद हो चुके हैं। यहां के किसानों बागवानों को अपनी फसलों को समय पर मंडियों तक पहुंचाने में दिक्कतें आ रही हैं। सेब की फसल बर्बाद हो चुकी है। न जाने क्यों कश्मीरी जनता इस बात को समझ नहीं पा रही है?अलगाववादी ताकतों एवं आतंकवादियों के उकसाने एवं डराने का एक कारण हो सकता है आत्मरक्षा किन्तु दूसरा कारण हो सकता है अपने वर्तमान व भविष्य की रक्षा का उत्तरदायित्व तो उनका अपना है। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे भारत का अभिन्न अंग हैं। कश्मीरियत हिन्दुस्तानी संस्कृति का एक हिस्सा है। हिन्दु-मुस्लिम की सांझी विरासत है।

यह भी स्मरण रहना चाहिए कि मुस्लिम बहुल होते हुए भी इस प्रदेश की जनसंख्या से कहीं अधिक मुसलमान भारत के विभिन्न प्रदेशों में सभी धर्मों के लोगों के साथ मिल-जुल कर रह रहे हैं। जिहादी प्रवृत्ति एवं आतंकवाद से प्रेरित इस समुदाय के कतिपय उग्र संगठनों को पूरा विश्व नकार चुका है। सम्पूर्ण विश्व के अधिकांश देश संयुक्त रूपेण इसका मुकाबला करने के लिए संगठित हो रहे हैं। अतएव समय रहते इन आतंकी संगठनों को अपने नापाक इरादों पर लगाम कसनी होगी। रही बात पाकिस्तान की, उसे उसी की भाषा में जवाब दिया जा सकता है। भारत सरकार को चाहिए कि वह पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने के लिए आक्रामक कूटनीति अपनाए और प्रमुख मित्र देशों को इस बात के लिए राजी करे कि पाकिस्तान आतंकी देश घोषित हो। दूसरी ओर कश्मीर के हालात सुधारने के लिए एक प्रभावी संवाद प्रक्रिया भी चलाये रखनी होगी। साथ ही वहां के बेरोजगार युवकों को रोजगार में प्राथमिकता देकर मुख्यधारा में शामिल करवाना होगा। घाटी में उद्योगों को तरजीह देनी होगी। वहां के लघु उद्योगों को आर्थिक सहायता देकर उनके उत्पादों के लिए बाजार खड़ा करना होगा। इस आशा के साथ कि कश्मीर की स्थिति में अवश्य सुधार होगा। इसके साथ ही आप सबको मातृवन्दना दशहरा, महर्षि वाल्मीकि जयंती और दीपावली उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

यह भी भक्ति है.....

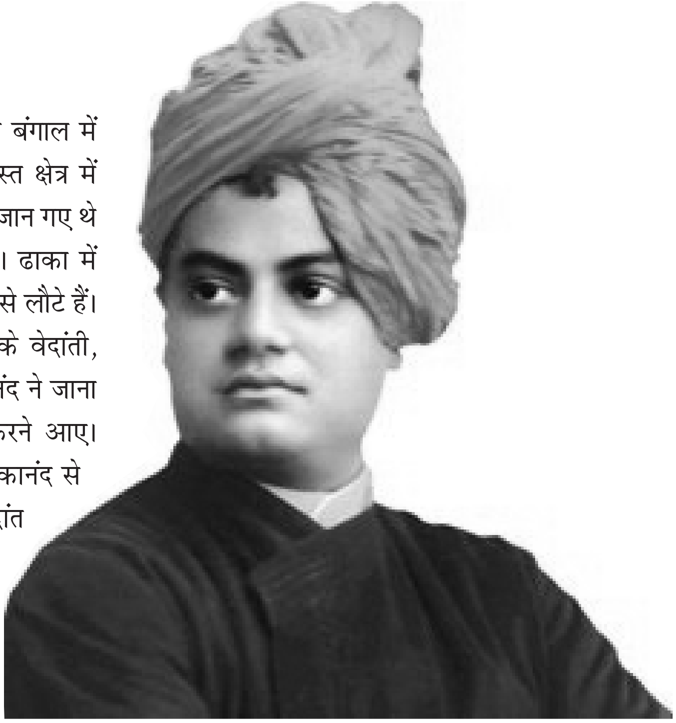

स्वामी विवेकानंद अमरीका से जब लौटे तो बंगाल में अकाल पड़ा हुआ था। उसी क्षण वह अकालग्रस्त क्षेत्र में सेवा के लिए चले गए, इसलिए कि वह स्वयं को जान गए थे और पर-सेवा को ही ब्रह्म सेवा समझने लगे थे। ढाका में गए। लोगों ने सुना, विवेकानंद आए हैं। अमरीका से लौटे हैं। भारत की पताका फहरा कर लौटे हैं, तो वहां के वेदांती, पंडित उनका दर्शन करने आए। जो कुछ विवेकानंद ने जाना था, वह जानने आए। उनसे वेदांत की चर्चा करने आए। वेदांत के बारे में जानने आए... और जब वे विवेकानंद से मिले तो विवेकानंद ने कोई धर्म चर्चा नहीं की, वेदांत की चर्चा नहीं की, अद्वैत की चर्चा नहीं की... वह केवल अकाल की ही चर्चा करते रहे, भूखे को रोटी देने की चर्चा करते रहे, वह उस दुख और पीड़ा की चर्चा करते रहे, जो उन्होंने देखी थी। चर्चा करते-करते वह रोने लगे, उनकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे..

जो पंडितजन और वेदांती, उनको सुनने आए थे, हैरान हुए। वे तो विवेकानंद से ज्ञान की चर्चा सुनने आए थे, उनके अमरीका के अनुभव जानने आए थे, वे उस 'ज्ञान' से मिलने आए थे, जो 'ज्ञान' को प्राप्त हो गया है लेकिन वह तो दूसरे के दुख को देख कर खुद ही रो रहा है.... जो स्वयं दुख से दुखी हो रहा है, वह 'ज्ञानी' कैसे हो सकता है.... शरीर तो मिट्टी है, हमारा, आपका और हर एक का... और स्वामी विवेकानंद इसी शरीर के दुख की चर्चा करके रो रहा है... यह कैसा ज्ञानी है?यह 'ज्ञानी' नहीं हो सकता...

वेदांती हंसने लगे... विवेकानंद ने पूछ ही लिया..... आप हंस क्यों रहे हैं?इसमें हंसने की क्या बात है? कहने लगे... हम तो समझते थे, आप परमज्ञानी हैं और आप अकाल से पीड़ित लोगों के दुख को देख कर रो रहे हैं? देह तो हम हैं ही नहीं... हम तो आत्मा हैं... स्वयं ब्रह्म हैं, जिसकी न तो मृत्यु होती है, न जन्म होता है, फिर आप क्यों रो रहे हैं? किसके लिए?

विवेकानंद को दुख हुआ। उन्होंने अपना डंडा उठाया और उस आदमी के सिर पर रख कर बोले.... अगर तू सचमुच ज्ञानी है, वेदांती है तो बैठा रह, मुझे मारने दे... क्योंकि तू शरीर नहीं है... और जब शरीर पर डंडा पड़ेगा, तो तुम्हें पीड़ा तो होगी नहीं... पीड़ा चेतन को होगी... है न...

वेदांती डर गया... गिड़गिड़ाने लगा, मुझे क्यों मारते हो?किसी को मारना क्या ज्ञान की बात है? वह भाग गया... उसके साथी भी भाग गए... जब तक शरीर में हैं, शरीर के भोग भी सहने पड़ेंगे... दुख आए तो दुख भी सहना पड़ेगा... लेकिन चेतनस्वरूप का ज्ञान ही असल में ज्ञान है, शरीर के दुख बाहरी दुख हैं, चेतन के ज्ञान का सुख भीतरी सुख है... यही सुख शाश्वत है... लेकिन शरीर तो शरीर है... हाड़ मांस का... पीड़ा तो महसूस होगी... पर-पीड़ा को जानना और उसे दूर करना भी तो ईश्वर की भक्ति है, ज्ञान ही है... ईश्वर भी तो यही कहते हैं, जो दूसरे की पीड़ा को समझता है, उसे दूर करता है, वह मुझे अत्यन्त प्रिय है। इसीलिए तो विवेकानन्द जी दूसरे की पीड़ा को नहीं देख सके... भूख से बिलखते लोगों का दुख सहन नहीं कर सके... इसीलिए वह रो पड़े... दूसरे की पीड़ा समझना और उसे दूर करना भी भक्ति है...❖

विचार और मानसिकता

विचार ही हमारे कर्मों की आधारशिला हैं। मानसिकता का सीधा प्रभाव हमारे विचारों पर पड़ता है। हम जैसा सोचेंगे वैसा ही करेंगे यह सत्य है। हमें अपने विचारों में दुर्बलता व मलिनता नहीं आनी देनी चाहिए, क्योंकि यह हमारे प्रगति के मार्ग में बाधक भी हो सकते हैं। विचारों की कंजूसी से अपना ही नुकसान है, क्योंकि जब हमारे विचार उत्कृष्ट होंगे और यदि हम उन्हें क्रियान्वित करना चाहेंगे तो उसमें सहयोग के लिए तमाम लोग भागीदार हो जायेंगे। ऐसा आजकल सामाजिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में देखा भी जा रहा है, जहां सहयोग करने वालों की कमी नहीं रहती, लोग उत्साहपूर्वक बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। उत्कृष्ट चिंतन से ही उन्नत विचार निर्मित होते हैं जिन्हें हम किन रचनात्मक कार्यों में लगाएं, यह निर्णय हमें अपने विवेक के आधार पर लेना होगा। विचार और मानसिकता एक दूसरे के पूरक हैं। मन को विचारों में न हावी होने दें, केवल हृदय और आत्मा के नियंत्रण में ही विचारों को विकसित होने दें। क्योंकि मन तो न चाहने वाले काम करने को भी मजबूर कर सकता है। होना यह चाहिए कि हम अपने उत्कृष्ट विचारों से मन को नियंत्रित रखें। सत्साहित्य का पठन करने से स्वस्थ मानसिकता का निर्माण होता है, जिसमें स्वच्छ और उत्तम विचारों का प्रादुर्भाव होता है।

यही स्थिति सत्संगति में भी होती है। पहले के समय में संयुक्त परिवारों में सबसे बुजुर्ग जैसे दादा-दादी, नाना-नानी छोटे-छोटे बच्चों को महापुरूषों की प्रेरणादयक कहानियां सुनाते थे, जिससे बच्चे अनुशासित और संस्कारवान होते थे, अब समयाभाव और भौतिकता की अंधी दौड़ ने इन परम्पराओं को समेटकर किनारे कर दिया है जिसका प्रभाव अनेक परिवारों में कटुता, अनुशासनहीनता और अनचाहे आचरण के रूप में स्पष्ट देखने को मिल रहा है। नकारात्मक सोच से हमारी मानसिकता कुंठित होती है जिससे हमारा आचरण भी गलत राह पर जा सकता है, अतः हमें सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए ताकि हम गलत दिशा में न जा सकें। विचारों से ही व्यक्तित्व का परिचय होता है। बल्कि हमारे विचारों से ही मन का निर्माण होता है जो हमारे संपूर्ण अस्तित्व को प्रभावित करता है। व्यक्ति के हाव-भाव और रहन-सहन से ही उसकी मानसिकता का अंदाजा लगाया जा सकता है जो विचारों से ही निर्मित होते हैं। सकारात्मक विचारों का विराट स्वरूप अगर हमने अपने जीवन में एकत्र कर लिया है तो हम अपने साथ-साथ अन्य लोगों का भी भला करने में सफल होंगे।

सकारात्मक सोच से ही सकारात्मक ऊर्जा हममें विकसित होती है जो हमें अपने विवेक के आधार पर रचनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करती हे। हमें इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि यदि हम दूसरे के लिए अपने मन में गलत विचार लाएंगे तो कोई दूसरा भी हमारे प्रति गलत सोच सकता है, यहीं टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है जो हम सबकी प्रगति में बाधक है। ❖

समस्या की जड़ बाहर नहीं है, भीतर ही है

- लोकेश पालीवाल

सोशल मीडिया पर ही कई धुरंधर हैं, जो युद्धनीति, कूटनीति, राजनीति, राष्ट्रनीति, सैन्य संचालन आदि सभी मामलों के जानकार, अनुभवी और विशेषज्ञ हैं। ये वही लोग हैं जो लाहौर में एक हमला होने पर पाकिस्तान से सहानुभूति जताने के लिए अपना प्रोफाइल फोटो काला कर रहे थे, और फिर बुरहान वानी के एनकाउंटर के बाद पाकिस्तान के उकसाने पर भारतीय सेना के समर्थन में भी प्रोफाइल फोटो बदल रहे थे। ये वही लोग हैं, जो 2 रूपये बचाने के लिए चीनी सामान खरीदते हैं, लेकिन सरकार को सिखाते हैं कि चीन भारत के बाजार को निगल रहा है। ये वही लोग हैं, जो अंडरवर्ल्ड के पैसों से बनी खान की फिल्में देखने के लिए हर वीकेंड पर मल्टीप्लेक्स के बाहर कतार लगाते हैं और सोशल मीडिया पर सरकार से पूछते हैं कि सरकार दाऊद को खत्म क्यों नहीं कर रही है। ये वही लोग हैं, जो दिन-रात मीडिया चैनलों की निंदा करते हैं, लेकिन उन्हीं चैनलों द्वारा सेट किए जाने वाले एजेंडा का भी रोज शिकार बनते हैं।

जो लोग टीवी पर क्रिकेट देखते समय घर बैठे चिल्लाते हैं कि कप्तान को कौन-सा फील्डर कहां खड़ा करवाना चाहिए, वो जरा ये समझें कि कप्तान में क्रिकेट की समझ आपसे ज्यादा है और मैदान की परिस्थिति को भी वह आपसे बेहतर समझता है। उसको निर्णय लेने दीजिए और उसके निर्णय पर भरोसा कीजिए। ज्यादा कन्फ्यूज लोग दुनिया में कोई दूसरे नहीं हैं क्योंकि हम किसी विषय में पूरी जानकारी नहीं लेना चाहते और न ही किसी बात को शुरू करने पर आखिरी तक ले जाना चाहते हैं।

अपनी सुख-सुविधाओं में एक कतरा भी कटौती नहीं करना चाहते, 50 पैसे टैक्स बढ़ जाए तो छाती पीटने लगते हैं और ऐसे लोग आज युद्ध की भाषा बोल रहे हैं। पहले अपने कम्फर्ट जोन से तो बाहर निकलिए, उसके बाद युद्ध के उपदेश दीजिए। मैंने वामपंथियों को कभी अपनी विचारधारा और एजेंडा के बारे में कन्फ्यूज नहीं देखा, मैंने भारत- विरोधियों को कभी अपनी विचारधारा और एजेंडा के बारे में कन्फ्यूज नहीं देखा, लेकिन राष्ट्रवादी टोली मुझे वैचारिक धरातल पर सबसे ज्यादा कन्फ्यूज दिखती है क्योंकि बुद्धि और विवेक को परे रखकर हर बात में भावनाओं के अनुसार बहते रहते हैं। एक दिन का उफान होता है, दूसरे दिन सब भूल जाते हैं।

मेरा सुझाव है कि इस कन्फ्यूजन से बाहर निकलिए। मुझे नहीं पता कितने लोग मीडिया चैनलों और प्रचलित अखबारों की खबरों के अलावा कुछ पढ़ते हैं। मुझे नहीं पता मीडिया में शोर सुनकर यहां चिल्ला रहे कितने लोगों को याद है कि कुछ ही दिनों पहले वायुसेना का जो विमान अंडमान जाते समय लापता हो गया, उसमें कितने सैनिक थे? जब कोई हम पर हमला करने आता है, तो बेशक पहला समझदारी का काम उस पर जवाबी हमला करना ही होता है। भारतीय सेना ने वो किया है, तभी चारों आतंकियों को मार गिराया गया। लेकिन जब सामने वाला हमला करके जा चुका है, और अब आपको जवाब देना है, तो वह ठंडे दिमाग से, सोच-समझकर और योजना बनाकर ही दिया जाना चाहिए, न कि उकसावे में आकर। पाकिस्तान ने हमला करके आपको उकसा दिया है, इसलिए ये जरूरी नहीं कि भारतीय सेना तुरन्त अपने टैंक और मिसाइलें लेकर पाकिस्तान में घुस जाए।

सशस्त्र सेना के अधिकारियों ने अपनी पूरी जिंदगी उच्च-स्तरीय मिशन और सीक्रेट ऑपरेशन पूरे करने में बिताई है। जो व्यक्ति जासूस बनकर काम कर रहे हैं, क्या आपको लगता है कि इस मामले की समझ आप में उससे ज्यादा है?ये कॉमन सेन्स की बात है कि उच्च-स्तर पर प्लानिंग हो ही रही होगी, हर मोर्चे पर हमले की रणनीति बन रही होगी। ये भी कॉमन सेन्स की बात है कि इसकी जानकारी न किसी सरकारी बयान में दी जाएगी, न सोशल मीडिया पर पोस्ट और ट्वीट में।

पहले भी हर बार बदला लिया जा चुका है, पाक की 50 चौकियों उड़ा दी गई, म्यांमार स्ट्राइक अटेक आदि।

अपनी भावनाओं को अपने विवेक और बुद्धि पर हावी मत होने दीजिए। यह जरूरी नहीं है कि कश्मीर के जवाब में हमला कश्मीर वाली सीमा से ही हो। हमला अफगानिस्तान की तरफ से भी हो सकता है, हमला बलूचिस्तान से भी हो सकता है, हमला चीन के इकोनॉमिक कॉरिडोर की तरफ से भी हो सकता है। इसलिए जिस मामले की समझ जिन लोगों को हमसे ज्यादा है, उनको उनका काम उनके ढंग से करने दीजिए। उनको पता है क्या परिणाम चाहिए और वो कैसे मिलेगा। उनको ये भी पता है कि आप सिर्फ एक दिन चिल्लाएंगे और दूसरे दिन भूल जाएंगे क्योंकि सबसे सरल काम यही है।

जो लोग टीवी पर क्रिकेट देखते समय घर बैठे चिल्लाते हैं कि कप्तान को कौन-सा फील्डर कहां खड़ा करवाना चाहिए, वो जरा ये समझें कि कप्तान में क्रिकेट की समझ आपसे ज्यादा है और मैदान की परिस्थिति को भी वह आपसे बेहतर समझता है। उसको निर्णय लेने दीजिए और उसके निर्णय पर भरोसा कीजिए। ज्यादा कन्फयूज लोग दुनिया में कोई दूसरे नहीं हैं क्योंकि हम किसी विषय में पूरी जानकारी नहीं लेना चाहते और न ही किसी बात को शुरू करने पर आखिरी तक ले जाना चाहते हैं। बेहतर है कि दूसरों को आईना दिखाने की कोशिश करने वाले एक बार खुद भी आईना देखें।

कोई देश सिर्फ सरकार के भरोसे इजरायल और जापान नहीं बन जाता, वह तब इजराइल और जापान बनता है, जब लोग अपने देश के लिए त्याग करने को तैयार होते हैं, जब लोग अपने देश के लिए कष्ट उठाने को तैयार होते हैं, जब लोग अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर देश के लिए कुछ करते हैं। पहले वह काम कीजिए और भारत में वैसा माहौल बनाने में कुछ योगदान दीजिए, उसके बाद ही समस्या जड़ से मिटेगी, क्योंकि समस्या की जड़ बाहर नहीं है, भीतर ही है।❖

साभारः राष्ट्रभक्त, व्हाट्सएप ग्रुप से

SHIVALIK HOSPITAL
Near Police Lines, Jhalera, Una (H.P.)
Mob.: 98059-33644

Dr. Akshay Sharma
MBBS (MAMC Delhi) (Gold Medalist)
MS (MAMC Delhi) Regd. MCI-7841
General & Laproscopic Surgeon
Ex. Senior Registrar LNJP &
GB Pant Hospital New Delhi

Dr. Anupma Sharma
MBBS, MD (PGI Chandigarh)
SKIN SPECIALIST
Regd. PMC-28190

Facilities Available: General & Specialist OPD, Indoor Admission Facilities, Fully equipped Operation Theatre, All Major & Minor Operations, Laproscopic Gall bladder Removal, Nebulization therapy for Asthma, ECG/X-Ray, Blood Tests.

Dr. Hem Raj Sharma
Specialist in Kshar Sutra Therapy
(Piles, Fistula, Anal Polyps, Prolapse Rectum, Pilonidal Sinus)
Formerly Incharge Medical Officer,
DAH Una, Govt. of Himachal Pradesh

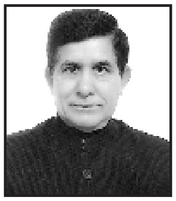

NATIONAL CHIKITSAK GURU
RAV (National Academy of Ayurved) New Delhi
Under Ministry of Health & Family Welfare, Deptt. of Ayush, Govt. of India.

B.Sc. HPU Shimla, GAMS, MD, University Rohtak, PGD Health & Family welfare, Punjab Uni. Chandigarh CC. Yog & Naturalpathy, Gujrat University, Jamnagar, CRAV Kshar-Sutra Specialisation, New Delhi

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः"

JAGAT HOSPITAL
&
Kshar Sutra Centre
Near Govt. College, Nangal Road, Una (H.P.)
Pin : 174303
94184-88660, 88940-68358, 94593-88323

पाकिस्तानी प्रपंच : अलगाव का अलाव सुलगाए रखना

'पाकिस्तानी आतंक और आतंकवादी' भारत को लेकर पाकिस्तानी कूट-प्रपंचों के चार अहम पहलू हैं:-'पहला, कश्मीर में लगातार अलगाव का अलाव सुलगाए रखना।' 'दूसरा, भारत को कमजोर करने वाले षड्यंत्रों के परोक्ष समर्थन में भारत के भीतर बौद्धिक लड़ाई छेड़ना' 'तीसरा, जिहादी जत्थों के जरिए भारत में लगातार आतंक की आग भड़काना और...' चौथा, पाकिस्तानी जनता को उसके अपने दुखों से दूर इस खुशफहमी में टहलाते रहना कि भारत पाकिस्तान के दबाव ही नहीं, बल्कि शिकंजे में है। सत्ता किसी के हाथ रहे, भारत को लेकर पाकिस्तानी सोच और नीतियों में कोई अंतर नहीं आता।'

अंतर इसलिए भी नहीं आता क्योंकि इस्लाम को आधार बनाकर विभाजन कराने वाली सोच की धुरी आज भी मुस्लिम पालेबंदी ही है और इसी के सहारे भारत विरोधी षडयंत्र बुने जाते रहे हैं। यही कारण है कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की क्षेत्रीय विविधताओं को समेटे एक बड़े राज्य में मुस्लिम बहुल घाटी को अलगाव के केंद्र के तौर पर खड़ा किया जाता है। मजहबी आतंकवाद को 'भारतीय दमन से उपजे अलगाव' का चोला ओढ़ाया जाता है और इसे स्थानीय आक्रोश की शक्ल देने के लिए कश्मीरी नौजवानों को आगे कर दिया जाता है। बुरहान वानी ऐसा ही एक कश्मीरी था। वह आम आतंकी नहीं था। घाटी में थके, बुढ़ाते, जनाधार खोते आतंकवाद को नई जान देने के लिए आतंकियों को आगे रखकर या उडी सैन्य शिविर पर भारतीय सैनिकों की शहादत के उपरान्त आतंकवाद के प्रति नये नजरिये का आगाज हो।

सोशल मीडिया पर खुले चेहरे के साथ मोहक वादियों का आनंद लेते दिखता ये जिहादी, पाकिस्तानी हाथों के खिलौना थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट और उसके पिछलग्गुओं का जमावड़ा बताता है कि जुमलों से निखारी गई आतंक की छवि को विशुद्ध कश्मीरी पहचान देने की पाकिस्तानी साजिश कुछ समय तक सफल भी रही। लेकिन, धूर्तता से मिली सफलता क्षणिक ही होती है। अंत का क्षण आया, षड्यंत्र बीच में ही बिखर गया और आतंक के आका दहल उठे। खिलौना टूट गया। पाकिस्तान इस मुद्दे को विश्वमंच पर ले जाने की बात तो कर रहा है परंतु असल में

अब उसकी स्थिति सांप-छछुंदर की है।

उसकी खीझ का मुख्य कारण यही है कि न तो वह अपनी खड़ी की कठपुतलियों के लिए पूरी तरह सामने आ सकता है और न ही इस्लामी आतंकियों के खात्मे पर अपनी चिंता छिपा सकता है। उसके लिए इससे भी बड़ी आफत खड़ी हो रही है। एक आतंकी के लिए छाती पीटने वाला देश बाकी दुनिया के सामने खुद को किस तरह आतंकवाद पीडित बता सकता है? बहरहाल, यह पाकिस्तानी चाल भारतीय सैन्य व सर्तकता तंत्र की मुस्तैदी के चलते तोड़ी जा सकती है, यह सुकूनदायक और सैन्य बलों के लिए बधाई की बात है। लेकिन चिंता की बात यह है कि भारत में हिज्बुल मुजाहिदीन के जिहादियों पर शोक के स्वर कुछ ऐसे स्थानों से उठे जहाँ इनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंकियों को सही और उसके खात्मे को गलत बताने के संकेत करते लोगों को आप क्या कहेंगे? हाल ही में जेएनयू की कुख्याति के कारक बने उमर खालिद और जम्मू-कश्मीर में सत्ता स्खलन से आहत उमर अब्दुल्ला की बातों को किस तरह लिया जाए? क्या किसी विश्वविद्यालय के पहचान पत्र देश को नुक्सान पहुँचाने वालों की ढाल बन सकते हैं?

क्या राजनीति में हाशिए पर जाने का मतलब आतंकियों का दर्दमंद हो जाना और देश की अखंडता को चुनौती देने वालों के साथ खड़े दिखना है? जिहादी आतंकवादियों की मौत के बाद सवाल उठाने वालों को यह बताना चाहिए कि गोलियां बरसाते, बारूद बिछाते आतंकी और उनके दिहाड़ी पत्थरबाजों से आप कैसे निपटेंगे? सबसे बड़ा सवाल यह कि आतंकियों की मौत पर भारत में बहस छेड़ने और घाटी का उफान बैठाने की बजाय वहां लोगों को भड़काने की चिनगारियां बिखेरते इन बुद्धिजीवियों और आतंकवाद को मानवाधिकार से जोड़ते पाकिस्तानी पैरोकारों के बीच फर्क क्या है?

जिहादी आतंकियों की मौत को भुनाने की पाकिस्तानी तरकीबों से कैसे निबटना है यह भारत जानता है। लेकिन असली चुनौती घर में बैठे आतंकियों के उन हमदर्दों से है जिन्होंने देश द्वारा दी गई आजादी को इस देश के विरुद्ध हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पंखा झलते हुए जाकिर नाईक के भाषणों से ढाका में इस्लामी आतंक के शोलों को कैसे हवा मिली, यह हम सबने देखा है। विश्वविद्यालयों और सत्ता सदनों के भीतर आजादी के इस दुरुपयोग को हम कब तक देखते रहेंगे।❖

साभार : पाञ्चजन्य

भारत में 'आईएस' समर्थकों को फंडिंग करने वाला जिहादी कुवैत में गिरफ्तार

भारत में इस्लामिक स्टेट के समर्थकों को फंडिंग करने के आरोप में अब्दुल्ला हादी नामक जिहादी को कुवैत में गिरफ्तार किया गया है। एएनआई के अनुसार कुवैत अथॉरटीज ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मांध आरोपी ने बताया कि 2013 में पाकिस्तान से वापस आने के बाद से वह आतंकी संगठनों का समर्थन कर रहा है और आतंक वाद को आर्थिक सहायता करने में भी शामिल रहा है।

कुवैत के अब्दुल्ला हदी अब्दुल रेहमान अल एनजी पर भारत में चार लड़कों को एक हजार डॉलर भेजने का आरोप है। चारों लड़कों में महाराष्ट्र के पनवेल का रहने वाला अरीब मजीद भी शामिल है, जो मई 2014 में इस्लामिक स्टेट में सम्मिलित हुआ था, बाद में कुछ महीनों के बाद भारत लौट आया था। करीब 24 मई को अपने चार दोस्तों के साथ मुंबई छोड़कर गया था और नवंबर में वापस आ गया था। तब से वह पुलिस कोठरी में है और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान मजीद ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब वह और अन्य तीन इस्लामिक स्टेट समर्थक 2014 में इराक में थे।❖ **साभारः त्रिकुटा संकल्प**

युवा बनायें विवेकानंद को आदर्श

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा नाभा एवं भाषा संस्कृति विभाग हि0प्र0 के संयुक्त तत्वाधान में 11 सितम्बर को विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर कार्यक्रम शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकृष्ण मिशन शिमला के स्वामी नीलकंठानंद महाराज द्वारा की गयी। मुख्य अतिथि प्रो. अश्वनी कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उसी प्रकार से प्रासंगिक हैं जैसे इससे पहले के समय में थे। जिस प्रकार उन्होंने सन् 1893 के शिकागो सम्मेलन को भारतीय संस्कारों और उच्च दार्शनिक विचारों को धाराप्रवाह क्रम में वहां प्रस्तुत किया उसे आज भी याद किया जाता है। भारतीय संस्कृति के सनातन मूल्य उनमें इतने कूट-कूट कर भरे हुए थे कि उसकी रोशनी से आज भी विश्व को एक प्रेरणा प्राप्त होती है। उनका कहना था आज के समाज में चरित्र का स्खलन हो रहा है इसके लिए कहीं न कहीं हमारी शिक्षण पद्धतियां भी दोषी रही हैं। ऐसे में आज अगर युवा पीढ़ी विवेकानंद को आदर्श पुरूष मानकर उनसे प्रेरणा प्राप्त करे तो यह देश सर्वांगीण विकास कर सकता है।

कार्यक्रम अध्यक्ष स्वामी नीलकंठानंद महाराज ने कहा कि विवेकानंद बचपन से ही आध्यात्मिक चेतना से जागृत व्यक्तित्व रहे। उनमें उच्च चारित्रिक गुणों का विकास छोटी अवस्था से ही प्रारंभ हो गया था। उनकी सबसे बड़ी विशेषता उनका देश के प्रति लगाव था जो आज भी सबको प्रेरणा देता है।

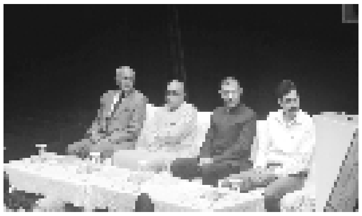

इस अवसर पर भाषण प्रतियोगितायें भी आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में शिमला के 25 स्कूलों के 45 छात्रों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में आंकाक्षा चोपड़ा ने पहला, पुष्पांजलि ने दूसरा और शगुन शर्मा ने तीसरा पुरस्कार जीता। वहीं कनिष्ठ वर्ग के पुरस्कारों में रोहन गुप्ता ने पहला, वैभव ने दूसरा और आकृत शर्मा ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। कोटशेरा कॉलेज में की गयी बौद्धिक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राहुल सुंदन, द्वितीय पुरस्कार जितेंद्र शर्मा और तृतीय पुरस्कार मीनाक्षी चोपड़ा ने हासिल किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर ओ.पी. सारस्वत, प्रो. वी. के. मिश्रा, एवं प्रो0 के.सी. शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम में नगर संचालक विवेकानंद केंद्र के तोताराम शर्मा, प्रभारी कल्पना मेहता, जिला भाषाधिकारी त्रिलोकचंद सूर्यवंशी और विवेकानंद केंद्र के के.के. शर्मा, पुनीता शर्मा, एवं शशी पंत सहित शहर के कई गणमान्य लोगों एवं प्रबद्ध नागरिकों ने भाग लिया।❖

भारतीय मज़दूर संघ ने मनाई विश्वकर्मा जयंती

भारतीय मजदूर संघ द्वारा विश्वकर्मा जंयती के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बद्दी में किया गया, जिसमें भारतीय मजदूर संघ के राज्य कर्मचारी महासंघ महामंत्री विपिन डोगरा विशेष रूप से उपस्थित हुए। विपिन डोगरा ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा मजदूर संगठन है। भगवान विश्वकर्मा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज के दिन जहां पूरे भारत में पूजा अर्चना की जाती है वहीं हमारे त्यौहारों का भी शुभारंभ हो जाता है। संघ ने समय-समय पर मजदूरों के हितों के लिए संघर्ष किए हैं और राष्ट्र हित में कार्य किए हैं। उन्होंने इस दिवस को राष्ट्रीय मजदूर दिवस घोषित करने की भी मांग की है। कार्यक्रम के दौरान पूजा अर्चना के बाद विशाल रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें मजदूर विरोधी सरकारों को जमकर कोसा गया। जिला अध्यक्ष गोपाल चौधरी ने संघ को गैर राजनीतिक संगठन बताते हुए कहा कि चाहे सरकार कोई भी हो मजदूरों के हितों की रक्षा करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर संघ के प्रांत संगठन मंत्री निरंजन कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।❖

समरसता के लिए लोगों की सोच बदलना जरूरी

इस वर्ष मातृवन्दना संस्थान की ओर से प्रदेश भर में सामाजिक समरसता के कार्यक्रम एवं संगोष्ठियां आयोजित करने की योजना है। अभी ये कार्यक्रम नालागढ़, रोहड़ू, नाहन, परवाणू व ठियोग में आयोजित किए गए हैं। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम राममंदिर हॉल शिमला में आयोजित किया गया। इस संगोष्ठी में केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य, हिन्दुस्थान प्रकाशन संस्था के अध्यक्ष व साप्ताहिक विवेक के परामर्शदाता रमेश पतंगे ने प्रकट किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जीआईए की संयोजक मोनिका अरोड़ा उपस्थित रहीं वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में होटल वुड विला पैलेस शिमला के निदेशक कंवर दिवराज सिंह जुब्बल ने शिरकत की। अपने उद्‌बोधन में रमेश पतंगे ने कहा कि सामाजिक एकता के लिए समरसता का होना नितांत जरूरी है। पीढ़ियों से चले आ रहे सामाजिक नियमों के दायरे से बाहर आकर लोगों की सोच में परिवर्तन से ही सामाजिक समरसता को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग एक ही परमात्मा की सन्तानें हैं ऐसे में समाज में भेदभाव को कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए। एक ही तत्व सब में विराजमान है यह ही सभी धर्मों का सार है।

भारतीय दर्शन में भी सामाजिक समरसता पर ही बल दिया गया है। उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर के सामाजिक समरसता के कार्यों की सराहना की और कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर ने सन् 1916 में विदेशियों की इस बात को नकार दिया था कि भारत कई वंशों का देश है उनका मानना था कि यह देश अनेक वंशों का मिश्रण न होकर एक ही वंश के लोगों का समूह है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि सभी प्रकार के भेदभावों को दूर करने के लिए आगे आएं।

वहीं मुख्य अतिथि मोनिका अरोड़ा ने कहा कि संविधान में छुआछूत जैसी विषमताओं को समाप्त करने के लिए पहले ही ठोस प्रावधान किये गये हैं अनुच्छेद 19 में अनटचेबिलिटी को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने समरसता के लिए जरूरी कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। राष्ट्रीयता विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जेएनयू, हैदराबाद विश्वविद्यालय में देश विरोधी नारे लगाने वाले विद्यार्थी तब नारे लगा पा रहे हैं जब सियाचिन में कोई फौजी खड़ा है। इन विद्यार्थियों में एक भी वहां पर एक घंटा भी नहीं ठकर सकता है।

कार्यक्रम अध्यक्ष ने कंवर दिवराज ने मातृवन्दना संस्थान के द्वारा समरसता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किये जा रहे कार्यों की सराहना की। अंत में मातृवन्दना संस्थान के अध्यक्ष अजय सूद ने उपस्थित सभी अतिथियों, सामाजिक एवं गैर-राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं व सभी सहभागी जनों का आभार व्यक्त किया। ❖

हिमगिरी कल्याण आश्रम

रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास तैलगीं मोड़ रिकागंपिओ का वार्षिक उत्सव 3 सितम्बर शनिवार 2016 को बचत भवन पिओ में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय आदिवासी राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते मुख्य अतिथि रहे। इसके बाद छात्रावास में जाकर फोटो सहित छात्राओं के साथ अतिथि रजिस्टर में अनुभव भी लिखे तथा कार्यक्रम के आयोजक हिमगिरी कल्याण आश्रम के पदाधिकारियों का उन्होंने धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद रामस्वरूप शर्मा भी उल्लेखनीय रूप से उपस्थिति रहे। ❖

दयावान, शक्तिवान, मेहरबान

महर्षि वाल्मीकि

महर्षि वाल्मीकि को सम्पूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति के नाविक, आदिकवि, सामर्थ्यशाली, परमबुद्धिमान, महाज्ञानी, महर्षि के रूप में जाना व माना जाता है। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के चरित्र विषयक रामायण महाकाव्य का निर्माण किया। यह सम्पूर्ण श्रुतियों के सारभूत अर्थ का प्रतिपादक होने के कारण सबको प्रिय लगने वाला तथा सभी के चित्त को आकृष्ट करने वाला है। यह धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष सभी गुणों से युक्त तथा इसका विस्तारपूर्वक प्रतिपादन करने वाला है। इस महाकाव्य में महापराक्रम सर्वानुकूलता, लोकप्रियता, क्षमा, सौम्यभाव तथा सत्यशीलता का वर्णन किया गया है। महाकाव्य रामायण को सबसे पहले संस्कृत में लिखने से, इनको संस्कृत कविता का पितामह भी कहते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने ही सर्वप्रथम सारे संसार को अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने महाकाव्य रामायण में 24,000 श्लोक, 100 आख्यान, 500 सर्ग तथा उत्तर कांड सहित 7 कांडों का प्रतिपादन किया। उन्होंने राम कथा के माध्यम से आलौकिक काव्य तूलिका द्वारा वैदिक साहित्य में वर्णित मानव संस्कृति के शाश्वत् और स्वर्णिम तत्वों को एक ऐसा भव्य एवं अद्भुत चित्र प्रस्तुत किया है जो प्राचीन होते हुए भी नवीन है, मानवीय होते हुए भी अनुपम और दिव्य तथा स्थायी मूल्यों से भरपूर है।

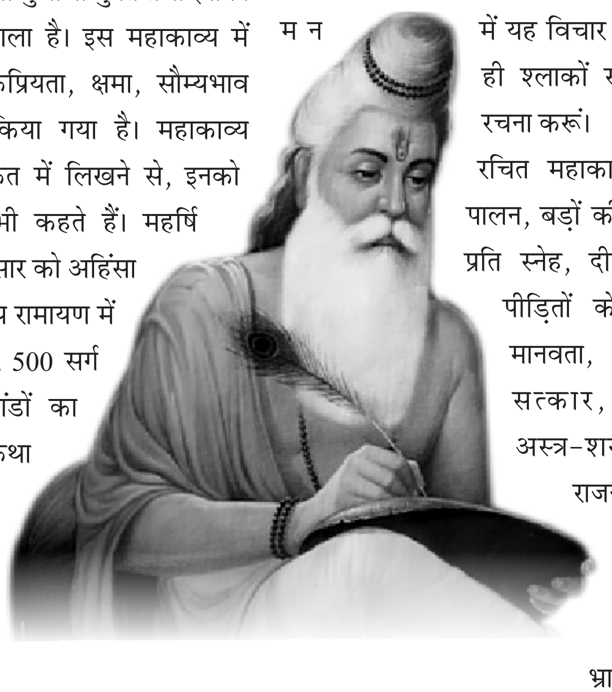

महर्षि वाल्मीकि ने सर्वप्रथम विश्व को अहिंसा का पाठ व संदेश दिया। इनका हृदय इतना कोमल था कि वह किसी को भी दुखी नहीं देख सकते थे। नित्य की तरह एक दिन जब वह अपने शिष्य भारद्वाज के साथ तमसा नदी के घाट पर स्नान के लिए जा रहे थे तो उनके पास ही क्रौंच पक्षियों का जोड़ा जो कभी भी एक-दूसरे से अलग नहीं होता, विचर रहा था। उसी समय एक निषाद ने इस जोड़े में से नर पक्षी को बाण से मारा। पक्षी खून से लथ-पथ होकर गिर पड़ा और पंख फड़फड़ाते हुए मर गया। यह देख कर धर्मात्मा ऋषि का हृदय बहुत दुखी हुआ और उस पक्षी की ओर देख कर दायर्द्रि ऋषि ने निषाद से कहा, ''यह अधर्म हुआ है। निषाद तुझे नित्य निरंतर कभी भी शांति न मिले क्योंकि तूने बिना किसी अपराध के इसकी हत्या कर डाली।'' ऐसा कह कर जब परम महर्षि ने अपने इस कथन पर विचार किया तो उनके मन में यह चिंता हुई कि इस पक्षी के शोक से पीड़ित होकर यह क्या कह डाला। अंततः वाल्मीकि जी के मन में यह विचार उत्पन्न हुआ कि मैं ऐसे ही श्लाकों से सम्पूर्ण रामायण की रचना करूं। वाल्मीकि जी द्वारा रचित महाकाव्य रामायण में वचन पालन, बड़ों की आज्ञा पालन, भाई के प्रति स्नेह, दीन दुखियों, शोषित व पीड़ितों के प्रति दया, करूणा, मानवता, शांति, शिक्षा, आदर, सत्कार, कर्त्तव्य पालन, अस्त्र-शस्त्र विद्या, संगीत, राजनीति, ज्ञान-विज्ञान व सहनशीलता आदि का वर्णन है। इसी में आदर्श पिता, पति, पत्नी, भ्राता, स्वामी, सेवक, आदर्श राजा, प्रजा के साथ-साथ आदर्श शत्रु का वर्णन भी मिलता है। राष्ट्र और समाज को स्वस्थ तथा उन्नत बनाने के लिए व्यक्ति का चरित्र विशेष महत्व रखता है तथा चरित्र निर्माण में परिवार के महान योगदान को श्री रामायण ने स्वीकार किया है। यह एक ऐसा शिक्षा केन्द्र है जहां व्यक्ति, स्नेह, सौहार्द व गुरूजनों के प्रति श्रद्धा, आस्था एवं समाज के सामूहिक कल्याण के लिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के त्याग की शिक्षा प्राप्त करता है। ❖

अन्धत्व निवारण का शंखनाद

सम्पूर्ण भारत से अन्धत्व निवारण का शंखनाद करने वाली अखिल भारतीय संस्था सक्षम के द्वारा क्रीडा भारती हिमाचल प्रदेश के सहयोग से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लॉ विभाग के सभागार में नेत्रदान-महादान पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सक्षम के अखिल भारतीय संगठन मंत्री डॉ. जे. सुकुमार ने नेत्रदान के विषय पर उपस्थित छात्रों व प्राध्यापकों के मध्य अपने विचार व्यक्त किये व आहवान किया कि मृत्यु के उपरान्त किस प्रकार नेत्रदान कर किसी के जीवन में प्रकाश फैला सकते हैं। कार्यक्रम में आईजीएमसी शिमला के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विनय गुप्ता ने नेत्रदान के विषय में जानकारी दी एवं अपने प्रदेश में आगामी योजना पर प्रकाश डाला। नेत्रदान में यह भी महत्वपूर्ण है कि मृत्यु के पश्चात् केवल 6 घंटे तक ही नेत्र सुरक्षित रह सकते हैं, जबकी आई बैंक में यह और भी अधिक समय तक रखे जा सकते हैं। वर्तमान में प्रदेश में केवल आईजीएमसी शिमला में ही आई बैंक की व्यवस्था है। नेत्र प्रत्यारोपण के लिए अभी आईजीएमसी शिमला में मांग के आधार पर 133 लोगों ने आवेदन किया है कि उनकी आंखें भी रोशन हो सकें। जिसकी संख्या भविष्य में और भी बढने की संभावना है। कार्यक्रम के अध्यक्ष सहप्रान्त संघचालक भौतिकी के प्रोफेसर डॉ. वीर सिंह रांगड़ा, क्रीड़ा भारती के प्रान्त अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र शर्मा व प्रान्त सचिव डॉ. हरिसिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। ❖

भारत माता की जय करना सच्ची राष्ट्रीयता: मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

वजीर राम सिंह पठानिया स्मारक नूरपुर में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की बैठक मंच के प्रणेता इंद्रेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश वक्फ बोर्ड के सदस्य केडी हिमाचली और सह संयोजक मुहम्मद शफी सहित मंच के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मंच के सहयोग से देश के मुसलमानों में राष्ट्रवाद जागृत करना और कट्टरवाद दूर करने के अतिरिक्त मदरसों की शिक्षा के साथ-साथ दुनिया की तालीम हासिल करने पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने माना कि जब तक मदरसों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार नहीं होगा, मुस्लिम समुदाय का मानसिक विकास नहीं हो सकता और शिक्षा के बूते ही कट्टरवाद समाप्त किया जा सकता है। बैठक में सभी ने एक स्वर में कहा कि हिंदुस्तान के मुसलमान के हाथ में तिरंगा झंडा और भारत माता की जय का उद्घोष करना सच्ची राष्ट्रीयता है और देश में रहकर पाकिस्तानी झंडे फहराना देश के प्रति गद्दारी है। नूरपुर में मुस्लिम समुदाय के लोगों से बैठक करने के बाद इंद्रेश कुमार ने कहा कि मंच के सहयोग से देश भर में मुसलमानों में राष्ट्रवाद जागृत करना और कट्टरता को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछेक सियासी दलों ने मुस्लिम समुदाय में यह डर पैदा किया था कि अगर सत्ता इनके हाथ में आई तो देश में कत्लेआम होगा लेकिन, दो वर्ष का कार्यकाल बीतने के बाद आज

शेष पृष्ठ 14 पर

गंगा जल परिवहनः चलेंगे मालवाहक जलपोत

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गंगा जल परिवहन के तहत मालवाहक जलपोत को झंडी दिखाकर रवाना किया। राजघाट के समीप पड़ाव स्थित अवधूत भगवान राम घाट से दो मालवाहक जलपोत 'वीवी गिरि' व 'जय वासुदेव' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 42 सौ करोड़ रूपये के इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत इलाहाबाद से हल्दिया तक का जल मार्ग शुरू हो गया। ट्रायल रन के इन जहाजों पर 24 मारूति कारें व स्टोन चिप भवन निर्माण की सामग्री लोड की गई। जलमार्ग प्राधिकरण के चेयरमैन अमिताभ वर्मा के मुताबिक पहले चरण में वाराणसी से हल्दिया जल मार्ग विकसित हो रहा है। पहले 1000 से 1500 टन क्षमता वाले पानी के जहाज चलेंगे। ड्रेजिंग का काम पूरा होने पर दो हजार क्षमता तक के मालवाहक जलपोत चलेंगे। उन्होंने बताया कि सितंबर 2018 तक रामनगर टर्मिनल और मार्च 2019 तक सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। देश के पहले और 1620 कि.मी. लंबे बनारस-हल्दिया वॉटर हाईवे शुरू होने से पूर्वांचल में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। ❖

पृष्ठ 13 का शेष

मुसलमानों को हकीकत समझ में आ गई है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि स्वतन्त्र भारत में पहली बार किसी सरकार ने कश्मीर को लेकर मजबूत स्टैंड लिया है कि उस कश्मीर पर बात होगी, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है। देश की 125 करोड़ की आबादी सरकार के साथ है, जबकि अलगाववादी नेता महज कश्मीरियों के हिमायती होने का ढोंग रच रहे है, अगर वे उनके सच्चे हितैषी होते तो सर्वदलीय बैठक में शामिल होते। मंच के प्रदेश संयोजक केडी हिमाचली ने कहा कि देश का मुसलमान देश की तरक्की, आन-बान और शान में अपना सर्वस्व न्यौछावर करेगा। जो कोई देश को तोड़ने या दहशतगर्दी फैलाने की कोशिश करेगा, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ❖

बाबा बाल जी

कोटला कलां
ज़िला ऊना, हिमाचल प्रदेश

सभी भक्तों को नवरात्र, विजयदशमी एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. संजीव संभालेंगे एनआइए की कमान

हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद पीजी कॉलेज पपरोला के डॉ. संजीव शर्मा अब नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एनआइए) जयपुर के नए निदेशक एवं सीईओ होंगे। भारत सरकार के आयुर्वेद के एकमात्र स्वायत्त संस्थान में डॉ. संजीव शर्मा का चयन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। पहली बार इस राष्ट्रीय संस्थान की कमान किसी हिमाचली के हाथ आई है। वह पांच साल के लिए इस पद पर जाएंगे। पपरोला कॉलेज से बीएएमएस करने के बाद उन्होंने एमडी जामनगर गुजरात से, जबकि पीएचडी राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से पूरी की। वह पपरोला कॉलेज में प्रोफेसर पद पर तैनात हैं और अस्थिसंधि रोग एवं आघात विज्ञान उप-विभाग संभाल रहे हैं। ❖

ऊना का एक छोटा सा गांव जहां बेटियां भी ले रही हैं फुटबाल का प्रशिक्षण

एक ऐसा गांव जहां फुटबाल का इतना क्रेज है कि गांव के लगभग हरेक घर से फुटबाल खिलाड़ी है। हरोली विधानसभा क्षेत्र के खड्ड गांव की यही विशेषता है। प्रदेश भर में फुटबाल की नर्सरी के नाम से पहचाने जाने वाले खड्ड गांव में प्रशिक्षण ले रही दर्जनों बेटियां आसमान छूने को तैयार हैं। युवाओं और खासकर लड़कियों के फुटबाल में बढ़ते क्रेज को देखते हुए ही प्रदेश सरकार ने यहां फुटबाल अकादमी तथा स्टेडियम स्थापित करने की कवायद शुरू कर दी है। स्थानीय विधायक तथा प्रदेश के उद्योग मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यहां फुटबाल खेल की आधारभूत संरचना के लिए करोड़ों रूपए की राशि स्वीकृत कराई है। ❖ साभार: अमर उजाला

मोहित चौहान को मिले दो इंटरनेशनल अवार्ड दुनिया में चमका हिमाचल का सितारा

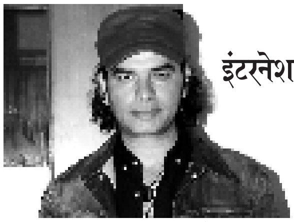

बॉलीवुड की दुनिया में अपनी सुरीली आवाज देने वाले प्लेबैक सिंगर मोहित चौहान ने दुनिया भर में अपनी आवाज का डंका बजा दिया है। जर्मनी में आयोजित डंफ-बामा म्यूजिक अवार्ड-2016 (बेस्ट एप्पल म्यूजिक अवार्ड) में मोहित चौहान ने दो अवार्ड हासिल किए हैं। बेस्ट मेल एक्ट और इंटरनेशनल मेल एक्ट अवार्ड लेकर मोहित ने संगीत की दुनिया में विश्व के 25 देशों के कलाकारों को पछाड़ दिया है। जर्मनी के हैंबर्ग शहर में आयोजित इस अवार्ड में कुल 25 देशों के कलाकारों का चयन हुआ था। पहले संगीत और फिर वोटिंग के जरिए मोहित चौहान भी हंबर्ग में हुए फाइनल राउंड तक पहुंचे। वहां पर उन्हें मेल कैटेगिरी में दो अवार्ड मिले। मोहित का कहना है कि हिंदुस्तान को यह अवार्ड पहली बार मिला है। गौरतलब है कि मोहित चौहान हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के नाहन के रहने वाले हैं। ❖

स्वदेशी जागरण मंच का प्रांतीय सम्मेलन

10 व 11 सितम्बर, 2016 को स्वदेशी जागरण हिमाचल प्रदेश का प्रान्तीय सम्मेलन सुन्दरनगर में सम्पन्न हुआ। इसमें सम्पूर्ण प्रांत से कुल 400 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रान्तीय कार्यकर्ताओं के साथ उत्तर एवं मध्य क्षेत्र के संगठक सतीश कुमार, अखिल भारतीय महिला प्रमुख श्रीमती रेणु पुराणिक, उतर क्षेत्र के संयोजक कृष्ण कुमार तथा सिरड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक निक्का राम चौधरी की भी विशेष उपस्थिति रही। समापन पर मुख्य वक्ता के रूप में सतीश कुमार उत्तर व पश्चिमोत्तर क्षेत्र संगठक ने चीन की चुनौतियों के बारे में अवगत करवाया। ❖

प्रकृति का अनूठा उपहार है खीर गंगा

बरशैणी में ही पार्वती परियोजना द्वितीय चरण का बांध तोश नाला पार्वती नदी के संगम पर निर्माणाधीन है। यहां से खीर गंगा 12-13 किलोमीटर आगे घने जंगलों के बीच मानतलाई के रास्ते पर है। पार्वती नदी के साथ-साथ बाएं हाथ चलते हुए मुख्य रास्ता नकथान होकर है। नकथान गांव जहां पर पार्वती परियोजना का पहला पावर हाउस बनना प्रस्तावित है, से आगे इस रास्ते पर रूद्रनाग आता है। एक रास्ता पार्वती के दाएं होकर भी है जो पुलगा, तुलगा व कारगा गांव के रास्ते से जुड़ते हुए आगे जंगलों में जाकर नकथान वाले रास्ते से मिल जाता है। यूं नकथान होकर जाने वाले रास्ते से अधिकांश पर्यटक, घुमक्कड़ और श्रद्धालु इस कारण से भी जाते हैं क्योंकि एक तो बीच में रूद्रनाग के दर्शन हो जाते हैं तो दूसरा मार्ग भी काफी चौड़ा है, खच्चर मार्ग है जहां से सारा जरूरी सामान खीर गंगा के लिए जाता है। रूद्रनाग में एक तरह से खीर गंगा का आधा सफर तय हो जाता है। रूद्रनाग की पूरे क्षेत्र में बड़ी मान्यता है।

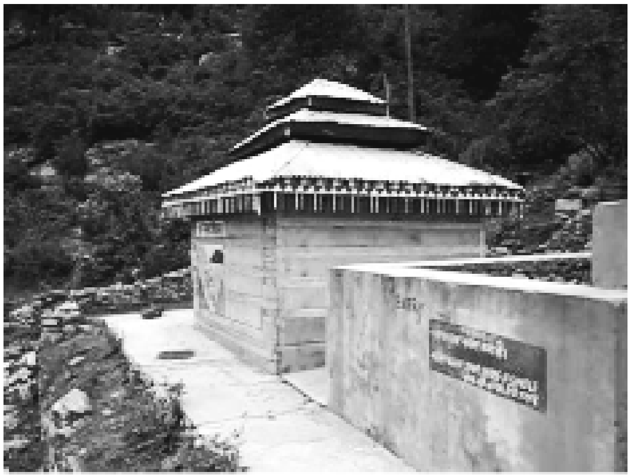

पूरी घाटी के देवी-देवता यहां हर साल एक दिन के लिए स्नान करने के लिए आते हैं और आगे खीर गंगा भी पहुंचते हैं। यहां पर ऊंची पहाड़ी से एक जल प्रपात गिरता है जिसकी बनावट कुछ ऐसी है जैसे कोई नाग अपनी फन फैलाए हो। यह बेहद आकर्षक है। इसे ही रूद्रनाग कहते हैं। यहां पर स्नान करना भी लोग पुण्य समझते हैं। यही कारण है कि खीर गंगा व मानतलाई के अधिकांश यात्री इसी मार्ग को अपनाते हैं। अब तो खीर गंगा की यात्रा इस कारण से भी आसान हो गई है क्योंकि रास्ते में जगह-जगह अस्थायी टैंटों में लगी दुकानों में खाने-पीने की वस्तुएं मिल जाती हैं, ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध हो जाती है। यह बात अलग है कि पूरी मणिकर्ण घाटी जो प्राकृतिक सौंदर्य समेत अन्य कई कारणों से विदेशी रंग में रंग चुकी है, यहां पर भी ज्यादातर खान-पान की वस्तुएं उनकी ही पसंद के हिसाब से इन अस्थायी दुकानों में मिलती हैं। कारण यह है कि खीर गंगा समेत पूरी मणिकर्ण घाटी में पर्यटक देशी कम विदेशी ज्यादा आते हैं या फिर नई पीढ़ी के युवक, युवतियां जो पाश्चात्य संस्कृति के चलते फास्ट फूड को पसंद करते हैं, उनकी ही पसंद का खाना यहां ज्यादा मिलता है।

संकरी घाटी से कसमसाहट के साथ गुजरती पार्वती के शोर को सुनते हुए नकथान गांव की पुरातनता पर चढ़े आधुनिकता व चाइनीज- कंटीनेंटल फूड जैसे आवरण को महसूस करते रहे तो डेढ़ दो घंटे में रूद्रनाग पहुंच जाते हैं। यहां से पार्वती नदी के रौद्र रूप को निहारते हुए उसे एक पैदल चलने वाले पुल से पार करके चढ़ाई शुरू होती है। चढ़ाई में देवदारों से लदी घाटियों को निहारते हुए, कलकल बहते नालों व जड़ी- बुटियों से होकर आते चश्मों के पानी से प्यास बुझाते रहें तो आराम से अगले दो-तीन घंटों में खीर गंगा में दस्तक दे सकते हैं। बरशैणी से कोई भी आराम से चार साढ़े चार घंटे में खीर गंगा पहुंच जाता है। मद मस्त चढ़ाई को थकावट की बजाय आनंदित होकर चढ़ें तो सफर आसानी से पूरा हो जाता है। खीर-गंगा अद्भुत, सुंदर, रोमांचित और कुदरत का अनूठा उपहार है।

❖साभार : दिव्य हिमाचल

सैनिक ने पाकिस्तानी झंडे को उतार कर लहराया तिरंगा

देश भक्ति का सबसे बड़ा उदाहरण उस वक्त देखने को मिला जब एक जांबाज जवान ने अपनी जान की परवाह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए मोबाइल टावर पर लगे पाकिस्तानी झंडे को उतार कर तिरंगा लहरा दिया। यह घटना हिजबुल आतंकी के त्राल इलाके की है। मोबाइल टॉवर पर पाकिस्तानी झंडा लहराता देखकर जवान को इतना गुस्सा आया कि वह अपनी जान पर खेलकर टॉवर पर चढ़ गया और तिरंगा फहराकर अपने मजबूत इरादे जाहिर कर दिए। दक्षिण कश्मीर में हिजबुल आतंकी के गांव त्राल से सीआरपीएफ का जवान सचिन कुमार अपनी ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान घर के पास स्थित एक उंचे मोबाइल टॉवर पर पाक का झंडा लहराते हुए जवान सचिन कुमार ने देख लिया।

यह देखकर सचिन कुमार से रहा नहीं गया और वह बुलेट प्रूफ जैकेट पहन कर टॉवर पर चढ़ गया। सचिन कुमार के सार्थियों ने देशभक्ति के जज्बे को कैमरे में कैद कर लिया। कुछ ही समय में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ❖

अब रेन पाउडर से सूखे में भी लहलहाएगी फसल

सूखा या बारिश की कमी के चलते हर साल फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। भारत ही नहीं, दुनिया के बड़े हिस्से में गंभीर हो चुकी यह समस्या अब इंसान के अस्तित्व को चुनौती दे रही है। बहरहाल, वैज्ञानिकों की मानें तो रेन पाउडर इसका कारगर हल हो सकता है। करीब दो साल से मैक्सिको समेत विभिन्न देशों में इस पर प्रयोग हुए हैं, जो सफल बताए गए हैं। इससे किसानों में उम्मीद की किरण जगी है। भारत में भी हर साल सूखे के कारण बड़ी संख्या में फसल बर्बाद होती है और अन्नदाता को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ता है और उनके लिए भी रेन पाउडर फायदेमंद हो सकता है। रेन पाउडर की खूबी यह है कि यह बहुत ज्यादा मात्रा में पानी सोख सकता है। 10 ग्राम पाउडर एक लीटर पानी सोख सकता है।❖ साभार: दिव्य हिमाचल

मुस्लिमों के लिए सर्वश्रेष्ठ देश है भारत

कराची में जन्मी सलमा आगा एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। कई भारतीय फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। लगभग ढाई दशक पूर्व निर्मित फिल्म निकाह में वे नायिका बनी थीं। हाल ही में उन्हें ओवरसीज सिटीजन ऑफ इण्डिया का आवार्ड मिला है अर्थात अन्य देश में रहने के बाद भी उन्हें भारत का नागरिक माना गया है। पिछले दिनों अंग्रेजी दैनिक टाइम्स ऑफ इण्डिया में उनका एक साक्षात्कार प्रकाशित हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि मुसलमानों के रहने के लिए भारत सर्वश्रेष्ठ देश है। मुस्लिम देशों में भी मुसलमानों को उतनी आजादी नहीं है जितनी भारत में है। मुस्लिम कलाकर तो भारत में ही सुरक्षित है, इस्लामी देशों में तो कला पर पाबन्दी है। सलमा आगा इन दिनों मुम्बई में ही

शेष पृष्ठ 18 पर

हमें भी लगता है अलगाववादियों को फंड बंद होना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं और धन को असंवैधानिक और गैरकानूनी करार देने के विचार से वह भी सहमत है और उसे भी यही लगता है कि ऐसा होना चाहिए। इस संबंध में दायर की गई जनहित याचिका पर शीर्ष अदालत ने अगले हफ्ते सुनवाई का वक्त दिया है। याचिका में कहा गया कि इस फंड का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों के लिए हो रहा है लिहाजा इस फंड को तत्काल बंद किया जाए। न्यायमूर्ति अनिल आर दवे और एल नागेश्वर की पीठ ने इस जनहित याचिका पर 14 सितंबर को सुनवाई करने का निर्णय लेते हुए कहा कि हम सब भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं और यहां बैठे सभी व्यक्ति भी ऐसा ही महसूस करते हैं। जनहित याचिका वकील एमएल शर्मा द्वारा दाखिल की गई है। याचिका में अलगाववादियों को सरकारी धन के कथित आवंटन की भी सीबीआई जांच की मांग की गई है। ❖साभार: अमर उजाला

पृष्ठ 17 का शेष

रहती हे। साक्षात्कार में उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना आदर्श बताया। आगा ने कहा कि मोदी जी पूरी तरह देश और जनता के लिए समर्पित हैं। आगा के अनुसार भारत दुनिया के ऐसे देशों में है, जहां सर्वाधिक सहिष्णुता है। इसलिए मुसलमानों को टकराव का रास्ता छोड़ कर अपनी स्थिति सुधारने की ओर ध्यान देना चाहिए। मोहतरमा सलमा आगा ने एकदम ठीक ही कहा है। अल्पसंख्यक होने के नाम पर मुसलमानों को जितनी सुविधाएं भारत में हैं उतनी सउदी अरब, इन्डोनेशिया या अबुधाबी आदि में भी नहीं हैं तो भी सेकुलर बिरादरी को संतोष नहीं है और वे कभी असहिष्णुता तो कभी भेद-भाव का राग अलापते रहते हैं। ❖

पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी

पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाली दीपा मलिक हरियाणा के सोनीपत की रहने वाली हैं। उनके पति सेना में अधिकारी हैं और वह दो बच्चों की मां हैं। दीपा के शरीर का निचला हिस्सा सुन्न है। वह शॉट पुट के अलावा जैवलीन थ्रो, डिस्कस थ्रो, तैराकी और मोटर स्पोटर्स से भी जुड़ी हैं। वह तैराकी में कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। जेवलीन थ्रो में उनके नाम एशियाई रिकॉर्ड है। उन्होंने 2011 में विश्व चैंपियनशिप में शॉट पुट और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीते थे। उन्हें भारत सरकार 2012 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है।❖

MAHARAJA AGRASEN UNIVERSITY

Spark... The Change

UGC APPROVED

Atal Shiksha Kunj, Kalujhanda Near Barotiwala, Baddi, Distt. Solan (HP)

❖ BEST UNIVERSITY OF YEAR 2015 IN THE CATAGORY "RESEARCH & DEVELOPMENT" ADJUDGED BY HIGHER EDUCATION REVIEW
❖ WINNER OF CCI TECHNOLOGY EDUCATION EXCELLENCE AWARD 2014 COMFORT BY GUJRAT TECHNOLOGICAL UNIVERSITY, GUJRAT

STRENGTHS OF THE UNIVERSITY

- All courses are as per UGC nomenclature and approved by respective regulatory bodies
- Choice Based Credit System (CBCS)
- Member: Association of Indian Universities (AIU)
- Highly Accomplished Faculty
- Regular Faculty Development Programmes
- Regular Guest Lectures by Experts from reputed Universities/ Industries
- Best exposure to National and International Seminars
- Industry Oriented Curriculum and regular Industrial Visits
- Wi-Fi Enabled Green Campus
- AC Class Rooms, Labs, Libraries and Seminar Halls etc.
- Amphitheatre and Auditorium
- Separate Hostel for Boys and Girls
- Fee Concessions/ Scholarships
- Rich Library Resources
- Medical Centre, Cafeteria, A.C Transport and ATM Facility
- Education Loan facility from Banks
- Best Placement and strong Corporate tie-ups
- Sports and Gym Facilities for Boys and Girls
- Summer Classes for the students needing additional academic support
- EWS families from surrounding areas under Corporate Social Responsibility (CSR) Project.

*Scholarship upto 50% is available for deserving candidates, for details please visit our website.

COURSES

Ph.D : ➢ Management, Travel & Tourism, Physics, Chemistry, Maths, English, Law, Environmental Sciences, ECE, ME, EEE

UNDER GRADUATE COURSES :
➢ B.Tech (CSE, ECE, CE, ME, EEE) (AICTE approved), LEET
➢ Bachelor in Architecture (Approved by COA)
➢ LLB, BA LLB (Hons.) (Approved by BCI)
➢ B.Com ➢ B.Com (Hons) ➢ BBA, BBA (Tourism & Travel)
➢ Bachelor in Hotel Management & Catering Technology
➢ B.Sc (Medical/Non-Medical)
➢ B.Pharm, D.Pharm
➢ BA (Journalism) ➢ Bachelor of Fine Arts (BFA) (4 Years)

POST GRADUATE COURSES :
➢ M.Tech (CSE, ECE, CE, ME, EEE)
➢ M.Com ➢ MBA (Master of Business Administration)
➢ MTTM (Master of Tourism & Travel Management) ➢ LLM
➢ M.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics/Environmental Sciences/Bio-Technology/ Forensic Sciences)
➢ MA (English) ➢ MA (Journalism)
➢ Master of Fine Arts (Applied Arts/Painting/Sculpture) (2 Years)

MAIT: 15th All India rank in Engineering including IITs & IIITs By DATAQUEST Survey 2013 Delhi Campus

Admission Open 2016-17

Admission Helpline: 093180-29217, 18, 32, 31, 35, 38, 39, 41, 45,
Website: www.mau.ac.in, Email : admission@mau.ac.in

The touch of pink is the touch of health.
www.lifecarehll.com
HLL Lifecare Limited

बेटी की जीत

उदर में है पनपा भेद।
फेंक समझा माथे का स्वेद।।
पुत्र रत्न के बधाई गीत।
कन्या देख भूले प्रीत।।
जन्म दे जो वही बुरी है।
बेटी से ही क्यों दूरी है।।
असमानता की बढ़ाते रीत।
भ्रूण हत्या कर मनाते जीत।।
कौन है यह भेदभाव फैलाता।
ममता की है कोख उजाड़ता।।
कब गाएंगे समता के गीत।
कब होगी बेटी की जीत।।

- भीम सिंह परदेशी
महादेव, सुन्दरनगर

तुलसी-पौधा

तुलसी-पौधा बड़ा निराला,
कई लाभों को देने वाला।
आंगन-शोभा, सुगन्ध प्यारी,
छोटा पौधा है गुणकारी।
बहुउपयोगी यह कहलाता,
सौ बीमारी दूर भगाता।
लोग इसकी पूजा करते,
श्रद्धा-भाव इस पर रखते।
इस समान न पौधा दूजा,
घर-घर होती इसकी पूजा।
मंजरी, पत्ते व जड़ प्यारी,
बने दवाई इनसे न्यारी
ज्वर खांसी को दूर भगाए,
रोगी को यह स्वस्थ बनाए।
तुलसी के हैं लाभ अनेक,
तभी तो करते लोग अभिषेक।
धूप-दीप ले अर्चन करना,
भाव आरती के तुम भरना।
तुलसी-पौधा तुम लगाना,
आंगन अपना तुम सजाना।

–रामप्रसाद शर्मा 'प्रसाद'
सिहाल, कांगड़ा

लाठियां चाहे कितनी टूटें

बार-बार मगरमच्छ के आँसू बहाकर,
पीठ में खंजर मारा हमारे जवानों को,
सबक सिखाना होगा मिलकर अब यारों,
बेरहम, बेखौफ पाक के इन शैतानों को।
अनगिनत बार दे चुके हम अग्निपरीक्षा,
बेअसर है इन पर कोई भी शिक्षा,
करना होगा यत्न अब कोई ऐसा,
माँगे पाक गिड़गिड़ाकर हमसे भिक्षा।
वर्षों से चुप थे न खोया धैर्य,
तभी तो भारत कहलाता है महान,
साजिशें पाक ने एक नहीं लाख रची पर,
कम न कर सका हमारी विश्व में शान।
नासमझ पाक ने सीखा न ये सच,
नहीं होता युद्ध कभी भी अच्छा,
मंहगाई, बीमारी, बर्बादी, बस ये है लाता,
सैंकड़ों माताओं की गोदी सूनी कर जाता।
ढूँढ रहे थे रास्ता वर्षों से कोई ऐसा,
साँप मरे और लाठी भी न टूटे,
हद हुई तेरी नापाक हरकतों की ए पाक,
देखा जाए अब चाहे लाठियाँ कितनी ही टूटें।

- गुरमीत राणा
खुण्डियाँ, कांगड़ा

प्री-हाइपरटेंशन: टेंशन लेने की जरूरत नहीं

-डॉ.एस.के. अग्रवाल

समय रहते अगर आप सचेत हो जाते हैं, तो हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचा जा सकता है....

अंग्रेजी शब्द प्री का आशय पहले या पूर्व की अवस्था से और हाइपरटेंशन का आशय हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप से है। प्री-हाइपरटेंशन उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर के पूर्व की वह अवस्था है जब रक्तचाप या ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक हो जाता है, लेकिन उतना अधिक नहीं होता है, जितना हाई ब्लड प्रेशर में हो जाता है। यह एक प्रकार की चेतावनी है कि आपका ब्लडप्रेशर बढ़ रहा है।

क्या है ब्लड प्रेशर :

ब्लडप्रेशर का आशय है कि आपका रक्त आपकी धमनियों की दीवारों पर कितना दबाव डाल रहा है, जिसे ब्लड प्रेशर इंस्ट्रूमेंट से जांचा जा सकता है। हाई ब्लड प्रेशर दिल का दौरा, स्ट्रोक, किडनी फल्योर और स्वास्थ्य से संबंधित अन्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा देता है। सामान्य रक्तचाप 120/80 होता है। हाई ब्लड प्रेशर 140/90 या इससे अधिक की स्थिति से माना जाता है। इसी तरह प्री-हाइपरटेंशन 140/90 के बीच माना जाता है। ब्लड प्रेशर तब भी बहुत अधिक हो सकता है, जब दोनों नंबरों में से कोई एक नंबर भी अधिक हो।

ऐसे बढ़ता है ब्लड प्रेशर :

पर्याप्त व्यायाम न करने और मोटापे से ग्रस्त होने के कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ता है। इसी तरह बहुत ज्यादा सोडियम (नमक) वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने और बहुत अधिक शराब पीने से भी ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

लक्षण प्रकट नहीं होते :

ब्लडप्रेशर के सामान्य से कुछ अधिक होने पर कोई लक्षण महसूस नहीं होते। अधिकतर लोग स्वस्थ महसूस करते हैं उन्हें रूटीन टेस्ट या किसी अन्य समस्या के इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाने पर पता चलता है कि उनका ब्लडप्रेशर सामान्य (नॉर्मल) से अधिक है।

कैसे करें डायग्नोसिस :

ब्लड प्रेशर इंस्ट्रूमेंट की मदद से साधारण ब्लड प्रेशर की जानकारी मिलती है। ब्लड प्रेशर को दो या अधिक बार अलग-अलग समय पर मापा जाना चाहिए ताकि यह पता हो सके की रक्तचाप सामान्य है या अधिक।

इन बातों पर दें ध्यान :

कई लोग आहार, व्यायाम और जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन कर अपने ब्लड प्रेशर को नियंत्रित या कम कर सकते हैं। यदि इन उपायों से आपका ब्लड प्रेशर पर्याप्त रूप से कम नहीं हो रहा है, तो आप डॉक्टर से परामर्श लेकर दवा ले सकते हैं। चूंकि आप अपने ब्लड प्रेशर का इलाज इसके बहुत अधिक होने से पहले ही कर रहे हैं, इसलिए आप सभी को जीवन शैली में परिवर्तन करने की जरूरत है। कुछ सुझावों पर अमल कर अपने ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रख सकते हैं.....

- मानसिक तनाव से बचें।
- धूम्रपान न करें।
- मोटापे से ग्रस्त हैं, तो अपना वजन कम करें।
- स्वस्थ आहार का सेवन करें। ऐसे खाद्य पदार्थों को सेवन करें जिनमें कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम अधिक हों। कैल्शियम दूध या इससे निर्मित उत्पादों आदि में पाया जाता है। पोटाशियम ड्राई फ्रूटस, नट्स और केला में और मैग्नीशियम हरी पत्तेदार सब्जियों और फ्रूट्स आदि में पाया जाता है।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए कम नमक का सेवन सबसे अच्छा है। अधिकतर लोगों को विभिन्न खाद्य पदार्थों के जरिये एक दिन में 2,300 मिलीग्राम से अधिक सोडियम नहीं खाना चाहिए।
- फास्ट फूड्स, पैकेज्ड स्नैक्स और डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।
- शराब के सेवन से बचें।
- सुबह-शाम 30 से 45 मिनट तक अपनी क्षमता के अनुसार तेजी से टहलें।❖ **लेखक कैलाश हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट, नोएडा में इंटरवेंशनल हार्ट स्पेशलिस्ट हैं।**

गिरिपार क्षेत्र को विकास की आस

- राजेन्द्र कुमार शर्मा

हिमाचल प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय को जिला सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र के हाटी जनजातीय समुदाय को संविधान के नियम (धारा) उपर के अन्तर्गत जनजाति समुदाय में सम्मिलित करने हेतु अनुमोदन किया था। गिरिपार के हाटी समुदाय के साथ कभी तो न्याय होगा? गिरिपार क्षेत्र आज भी आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ है। आज भी इस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। यहां के लोग अपनी लगन व मेहनत से अपना गुजारा कर रहे हैं। 5 जनवरी 1983 को तत्कालीन राज्य मंत्री वीरभद्र सिंह ने सम्बन्धित मंत्रालय को पत्र लिखकर गिरिपार अनुसूचित जनजाति क्षेत्र घोषित करने की सिफारिश की थी, 16-12-1993 को हिमाचल विधानसभा द्वारा गठित विधानसभा याचिका समिति ने गिरिपार क्षेत्र का सर्वे करने के बाद अपने विस्तृत प्रतिवेदन में इस मांग को सही ठहराया।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने इस अनुमोदन के प्रत्युत्तर में 13 जून 2006 को सूचित किया था कि प्रदेश सरकार के अनुमोदन को रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया को प्रस्तुत किया गया था जिसके तहत रिपोर्ट पर उनकी प्रतिक्रिया स्वरूप कुछ पुनः निरीक्षण हेतु कहा गया था। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अगस्त 2011 को निदेशक जनजातीय अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के माध्यम से इस कार्य का विस्तृत प्रस्ताव बनाकर भेजने का निर्णय लिया था। निवेदन किया था कि वे इस पक्ष में एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार करके जिसमें कि जिला सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र को अनुसूचित जनजातीय इस क्षेत्र में रहने वाले हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजातीय घोषित किए जाने की सिफारिश की। वर्तमान शिमला लोकसभा सांसद वीरेन्द्र कश्यप ने भी समय-समय पर संसद सत्र के दौरान इस विषय की बात की है। हाल ही में सिरमौर युवा विकास मंच के प्रधान विरेन्द्र शर्मा, महासचिव प्रदीप सिंगटा, उपप्रधान धर्मवीर और अन्य हाटी युवाओं ने फिर से 16-02-2016 को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री वीरभद्र के समक्ष यह मुद्दा रखा तो फिर से उन्होंने हि0प्र0 विश्व विद्यालय उपकुलपति तथा निदेशक अनुसूचित जनजातीय अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से रिपोर्ट मांगी है और हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति में लाने की सिफारिश भारत सरकार से की है। इस क्षेत्र के अनुसूचित जन-जातीय क्षेत्र बनने पर कुछ लाभ अवश्य होंगे जिनमें केन्द्र सरकार के विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त विशेष आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

गिरिपार क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों स्वास्थ्य संस्थाओं में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक मदद मिलेगी तथा केन्द्र तथा राज्य सरकार की नौकरियों में विशेष लाभ प्राप्त होगा। अगर यह क्षेत्र अनुसूचित नहीं होता है तो हिमाचल प्रदेश के गिरिपार के साथ अन्याय होगा। आखिर क्यों नहीं मिल पाया इस क्षेत्र को अनुसूचित जन जातीय क्षेत्र का दर्जा, जबकि सन् 1967 में उत्तराखंड के जौंसार भाबर क्षेत्र को अनुसूचित जन-जातीय क्षेत्र घोषित किया गया। दूसरे लोकर कमीशन के अनुसार अनु. जनजातीय पात्रता हेतु जिन पांच मान्य लक्षणों को आधार माना जाता है ये सभी लक्षण हाटी समुदाय में भी मौजूद हैं। हिमाचल प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों के अनेक माननीय सांसदों ने भी गिरिपार को अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र घोषित करने की मांग को भारत सरकार के समक्ष रखा। आखिर भारत सरकार कब इस क्षेत्र को अनुसूचित के दायरे में लाएंगी।❖ **लेखक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में शोध छात्र हैं।**

समान नागरिक आचार संहिता आज की जरूरत

- डॉ. शुचि चौहान

समान नागरिक आचार संहिता का मुद्दा आज एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान केन्द्र सरकार ने कानून आयोग को इस संहिता को लागू करने के लिए आवश्यक सभी पहलुओं पर विचार करने को कहा है। दरअसल यह मुद्दा आज का नहीं है। यह अंग्रेजों के जमाने से चला आ रहा है।

भारत विविधताओं से भरा देश है। यहाँ विभिन्न पंथों व पूजा पद्धतियों को मानने वाले लोग रहते हैं। इन सबके शादी करने, बच्चा गोद लेने, जायदाद का बंटवारा करने, तलाक देने व तलाक उपरांत तलाकशुदा महिला के जीवन यापन हेतु गुजारा भत्ता देने आदि के लिए अपने-अपने धर्मानुसार नियम, कायदे व कानून हैं। इन्हीं नियमों, कायदे व कानूनों को पर्सनल लॉ कहते हैं।

अंग्रेज जब भारत आए और उन्होंने यह विविधता देखी, तो उस समय उन्हें लगा पूरे देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक समान नागरिक आचार संहिता बनानी आवश्यक है। जब उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की तो हर धर्मों के लोगों ने इसका विरोध किया। ऐसे में उन्होंने लम्बे समय तक यहाँ अपने पांव जमाये रखने के लिए किसी से उलझना ठीक नहीं समझा। इन परिस्थितियों में सन् 1860 में उन्होंने Indian penal code तो लागू किया पर Indian civil code नहीं। यानि एक देश - एक दंड संहिता तो लागू की लेकिन एक देश एक समान नागरिक संहिता नहीं।सन् 1947 में देश आजाद हो गया। कानून बनाने व सामाजिक कुरीतियां दूर करने की जिम्मेदारी हमारे नेताओं पर आ गई। पर्सनल लॉ के अनुसार हिंदुओं में बहु विवाह व बाल विवाह अब भी चलन में थे। महिलाओं की पिता व पति की सम्पत्ति में कोई हिस्सेदारी नहीं थी। अकेली महिला बच्चा गोद नहीं ले सकती थी। मुसलमानों में भी बहुविवाह को मान्यता प्राप्त थी। पुरूष एक साथ चार शादियां कर सकता था। बिना कोई कारण बताए तीन बार तलाक बोलने मात्र से पत्नी को तलाक दे सकता था। उस समय फिर से समान नागरिक आचार संहिता की आवश्यकता को महसूस किया गया। कमेटियां बनीं, बहस चली, एक बार फिर सभी धर्मों से विरोध के स्वर मुखर हुए। हिंदू बहुसंख्यक थे। उनके लिए पं. नेहरू व तत्कालीन कानून मंत्री डॉ. अम्बेडकर ने हिंदू सिविल कोड बनाने का प्रयास किया परन्तु असफल रहे। पं. नेहरू ने इस बिल को पारित कराने में विशेष रूचि दिखाई। क्योंकि उनका कोई बेटा नहीं था। वे अपनी सारी संपत्ति व किताबों से मिलने वाली रॉयल्टी अपनी इकलौती संतान इंदिरा को कानूनन उत्तराधिकार में देना चाहते थे। इसलिए वे हिंदू सिविल कोड बिल लाने के लिए प्रयासरत थे। सन् 1952 में पहली सरकार गठित होने के बाद दोबारा इस बिल को लाने की दिशा में कार्य आरम्भ हुआ। इस बार इसको हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, हिंदू दत्तक ग्रहण व पोषण अधिनियम एवं हिंदू अवयस्कता एवं संरक्षता अधिनियम में विभाजित कर दिया गया एवं सन् 1955-56 में संसद में पारित करा लिया गया। हिंदू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत तलाक को कानूनी दर्जा मिला। अन्तर्जातीय विवाह को कानूनी मान्यता मिली। बहुविवाह को गैर-कानूनी घोषित किया गया। ये सभी कानून महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा देने के लिए लाए गये थे। इसके अन्तर्गत महिलाओं को पहली बार संपत्ति में अधिकार दिया गया। लड़कियों को गोद लेने पर जोर दिया गया। इस तरह तमाम विरोधों के बावजूद हिंदू समाज के पुनर्निर्माण की नींव पडी।

आज हमारा संविधान देश के हर नागरिक को चाहे वह स्त्री है या पुरुष, बराबर का दर्जा देता है। जब भी समान नागरिक आचार संहिता लागू करने की बात आती है मुस्लिम कट्टरपंथी शरिया कानून की बात करने लगते हैं। उन्हें लगता है समान नागरिक आचार संहिता लागू होने से देश में मुस्लिम संस्कृति धवस्त हो जायेगी। इसके लिए कई बार वे संविधान के भाग 3 में उल्लेखित अनुच्छेद 25 का सहारा लेते हैं। अनुच्छेद 25 किसी भी नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है।

कुछ मुस्लिम कट्टरपंथियों ने जब यूनीफॉर्म सिविल कोड का विरोध किया तो हमारे नेताओं ने भी अंग्रेजों की तरह तुष्टीकरण की नीति अपनायी। उन्होंने उनसे टकराव न लेते हुए यूनीफॉर्म सिविल कोड लागू करने के बजाय उसे संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 44 के रूप में नीति निर्देशक तत्वों में शामिल कर दिया। अर्थात् बाद के लिए टाल दिया। नीति निर्देशक तत्व सरकार को कानून बनाने के लिए दिशा निर्देश देते हैं। वे कानून द्वारा सुलभ 'enforceable' नहीं है। इस तरह मुसलमान मुख्य धारा में जुड़ने से रह गये। प्रचार यह किया गया कि वे मुस्लिम समुदाय के रहनुमा हैं परन्तु आज आजादी के 68 वर्षों के बाद भी मुस्लिम महिलाओं की स्थिति दयनीय है। वे आजादी के बाद भी उन्हीं कुरीतियों की शिकार हैं।

आज हमारा संविधान देश के हर नागरिक को चाहे वह स्त्री है या पुरुष, बराबर का दर्जा देता है। जब भी समान नागरिक आचार संहिता लागू करने की बात आती है मुस्लिम कट्टरपंथी शरिया कानून की बात करने लगते हैं। उन्हें लगता है समान नागरिक आचार संहिता लागू होने से देश में मुस्लिम संस्कृति धवस्त हो जायेगी। इसके लिए कई बार वे संविधान के भाग 3 में उल्लेखित अनुच्छेद 25 का सहारा लेते हैं। अनुच्छेद 25 किसी भी नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है। इस समय वे यह भूल जाते हैं कि हर नागरिक के कुछ दूसरे मौलिक अधिकार भी हैं। जैसे अनुच्छेद 14 स्त्री पुरूष को बराबरी का अधिकार देता है। मुस्लिम पुरूष एक बार में 4 शादियां कर सकता है परन्तु स्त्री नहीं। तो यह स्त्री के बराबरी के मौलिक अधिकार का हनन है। मुस्लिम पुरूष 4 शादियां करता है और सभी पत्नियों के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं करता है, उन्हें मानसिक कष्ट में रखता है तो यह उनके जीने के अधिकार अनुच्छेद 21 का हनन है।

कानून की सन् 1860 IPC की धारा 494 के अनुसार कोई भी स्त्री या पुरूष एक विवाह के रहते दूसरा विवाह नहीं कर सकता। दूसरी ओर मुस्लिम पुरूष 4 शादियां कर सकता है। CrPC 1973 की धारा 125 के अनुसार तलाकशुदा पत्नी पति से आजन्म गुजारा भत्ता लेने की हकदार है। मुस्लिम महिलाओं के लिए ऐसा नहीं है। शाहबानो केस इसका उदाहरण है। इसी तरह बाल विवाह निषेध अधिनियम 1929 के अनुसार बाल विवाह अपराध है परन्तु मुस्लिम समाज के लिए यह अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। ईसाई विवाह अधिनियम 1872, ईसाई तलाक अधिनियम 1869 भी पुराने हैं व हिंदू विवाह अधिनियम से अलग हैं। ये विषमताएं देश की धर्मनिरपेक्षता पर प्रश्नचिन्ह हैं।

आज समय है जब मुस्लिम महिलाओं व युवाओं को संगठित होकर सरकार से समान नागरिक आचार संहिता लागू करने की मांग करनी चाहिए। हिंदू समाज ने भी हिंदू सिविल कोड का विरोध किया था। लेकिन आज हिंदू महिलायें अच्छा जीवन जी रही हैं। मुस्लिम समाज में भी समान नागरिक आचार संहिता लागू होने पर कुछ विरोध होंगे। सरकार को उनकी अनदेखी करनी चाहिए। यूं भी समान नागरिक आचार संहिता के अन्तर्गत शादी, तलाक, गोद लेने व उत्तराधिकार जैसे धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के मुद्दे आते हैं। इनसे किसी के भी धार्मिक अधिकारों की स्वतंत्रता का हनन नहीं होता है। हां, समान नागरिक आचार संहिता लागू होने से कुछ फायदे अवश्य होंगे। मुस्लिमों में बहुविवाह पर रोक लगने से जनसंख्या वृद्दि रूकेगी। कम बच्चे होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

एक तरफा तलाक पर रोक लगने से मुस्लिम महिलाओं के शोषण में कमी आयेगी। जब धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होगा तो देश सही मायने में धर्मनिरपेक्ष बनेगा। विभिन्न समुदायों के बीच एकता की भावना पैदा होगी। एक ही विषय पर कम कानून होने से न्यायतंत्र को भी फैसले देने में आसानी होगी। कई मुस्लिम देशों जैसे टर्की व टयूनिशिया आदि ने भी शरीयत से हटकर नागरिक कानून बनाये हैं। अन्य धर्मों में भी समय-समय पर व्यक्तिगत कानूनों में परिवर्तन हुए हैं। मुस्लिम समाज को मुख्य धारा में आने व अपने सामाजिक उत्थान के लिए सरकार पर समान नागरिक आचार संहिता लागू करने के लिए दबाव बनाना चाहिए। सरकार को भी मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक ना मानते हुए तुष्टीकरण की नीतियों से ऊपर उठ कर सामाजिक समरसता व हर वर्ग के उत्थान के लिए काम करना चाहिए।❖ **लेखिका जयपुर राजस्थान से हैं।**

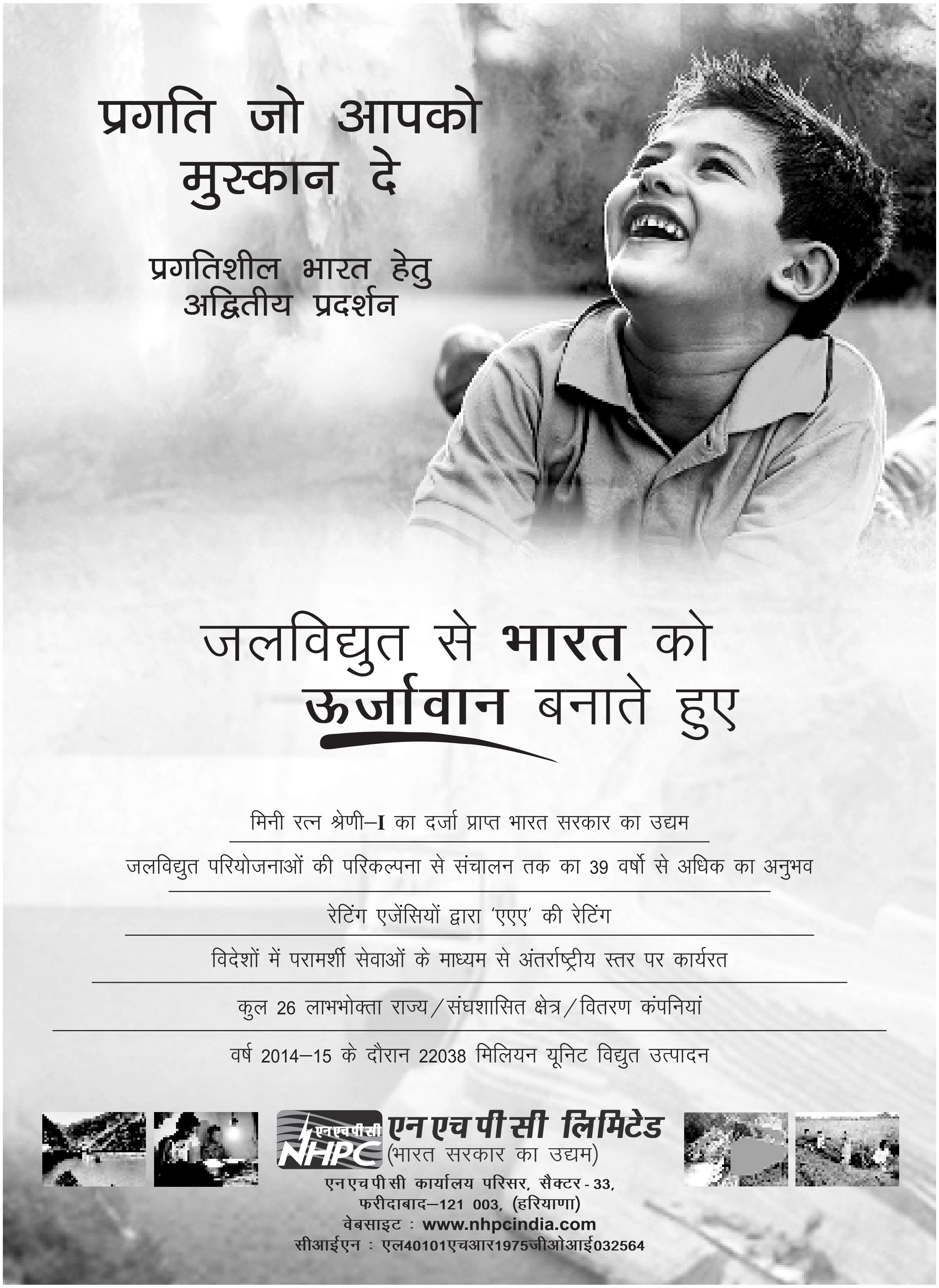
प्रगति जो आपको मुस्कान दे
प्रगतिशील भारत हेतु अद्वितीय प्रदर्शन
जलविद्युत से भारत को ऊर्जावान बनाते हुए
मिनी रत्न श्रेणी–I का दर्जा प्राप्त भारत सरकार का उद्यम
जलविद्युत परियोजनाओं की परिकल्पना से संचालन तक का 39 वर्षो से अधिक का अनुभव
रेटिंग एजेंसियों द्वारा 'एएए' की रेटिंग
विदेशों में परामर्शी सेवाओं के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत
कुल 26 लाभभोक्ता राज्य/संघशासित क्षेत्र/वितरण कंपनियां
वर्ष 2014–15 के दौरान 22038 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन
एनएचपीसी NHPC
एनएचपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सैक्टर-33,
फरीदाबाद–121 003, (हरियाणा)
वेबसाइट : www.nhpcindia.com
सीआईएन : एल40101एचआर1975जीओआई032564

नारीत्व का आदर्श-प्राच्य और प्रतीच्य

नारीत्व भारतीय आदर्श और पाश्चात्य आदर्श की तुलना करने का आधार हमें दो बड़े-बड़े महाकाव्यों से मिलता है। एक है वाल्मीकीय रामायण और दूसरा होमरका इलियड। इन दोनों महाकाव्यों की कथावस्तु में अद्‌भुत साम्य हे। जैसे राम की पत्नी सीता को रावण हर ले जाता है, उसी प्रकार मेनेलास की स्त्री हेलेन का भी पेरिस द्वारा अपहरण होता है। जैसे राम रावण को युद्ध में परास्त करके श्री सीता का उद्धार करते हैं, उसी तरह मेनेलास भी पेरिस को युद्ध में परास्त करके हेलेन का उद्धार करता है। दोनों कथावस्तुओं के बीच इतनी समता होते हुए भी वाल्मीकि और होमर द्वारा प्रदर्शित स्त्रीत्व के आदर्श में आकाश-पाताल का अन्तर है। पेरिस द्वारा अपहृत होने के बाद हेलेन उसकी पत्नी बनकर रहती है। जब मेनेलास उसे छुड़ाकर लाता है, तब फिर वह पूर्ववत् मेनेलास की भार्या हो जाती है।

महाकवि होमर की कल्पना में भी यह बात नहीं आ सकी कि स्त्री के लिए पति भक्ति का भी कोई आदर्श हो सकता है। सच पूछा जाए तो 'पतिव्रता' और 'पातिव्रत्य' शब्दों से जो अर्थ ग्रहण होता है, उसको द्योतित करने योग्य पाश्चात्य भाषाओं में कोई शब्द ही नहीं है। यह गवेषणा तो हमारे भारतीय ऋषियों की ही है कि स्त्री के लिए सर्वोच्च आदर्श पतिभक्ति का है। उसे लिए अन्य धार्मिक विधि-विधानों के पालन की आवश्यकता नहीं, उसके लिए विद्या प्राप्त करना अथवा ललित कलाओं में निपुण होना भी आवश्यक है। यदि वह पति के प्रति अनन्य भक्ति प्राप्त कर सकती है तो उसका जीवन सफल हो जाएगा और वह पूर्णता को प्राप्त हो जाएगी। पुत्र का सबसे बड़ा धर्म पितृभक्ति है। इस गुण से उसे ऐहिक सुख तो प्राप्त होगा ही, उसकी आध्यात्मिक उन्नति भी होगी। शिष्य का सबसे बड़ा धर्म गुरूभक्ति है। उसके लिए ज्ञान प्राप्त करने का वही सर्वोत्तम साधन है। इसी प्रकार नारी का सबसे बड़ा धर्म पतिभक्ति है। इसके द्वारा उसे इस जीवन में तथा मरणोत्तर जीवन में भी सुख की प्राप्ति होगी।

इस प्रश्न पर होमर के विचारानुसार भारतोत्तर देशों में इसी विचार का प्रचार है- स्त्री केवल भोग की सामग्री है; और चूंकि वह शरीर से अबला है, इसलिए जो कोई भी उस पर अधिकार कर ले उसी के हाथों में उसे आत्मसमर्पण कर देना होगा। उसकी अपनी इच्छा या कर्तव्यभावना का प्रश्न ऐसा है कि जिसके उठने की कोई गुंजाइश ही नहीं। स्त्रीजाति के प्रति हिंदू-शास्त्रों के विचार इससे नितान्त भिन्न हैं। मनु कहते हैं- 'सन्तान को जन्म देने वाली होने के कारण स्त्रियां बड़ी भाग्यशालिनी हैं, वे घर की दीप्ति हैं। वस्त्राभूषणों में उनका आदर करते रहना चाहिए। स्त्री और श्री में कोई भेद नहीं है।' वे फिर कहते हैं-'प्रचुर कल्याण चाहने वाले पिता, भ्राता, पति तथा देवरों को चाहिए कि वस्त्राभूषणों द्वारा स्त्रियों को अलंकृत करें।' 'जिस कुल में स्त्रियों का सत्कार किया जाता है, उस कुल पर देवता प्रसन्न होते हैं; और जहां स्त्रियों का सत्कार नहीं होता, वहां के सब धर्म-कर्म निष्फल हो जाते हैं।' 'जिस कुल में स्त्रियां शोक में रहती हैं, वह शीघ्र ही विनष्ट हो जाता है; जहां वे शोक को नहीं प्राप्त होतीं, वह कुल सदा फलता-फूलता है।' (मनुस्मृति 3155-57) नीत्शे ने ठीक ही कहा है, 'मनुस्मृति को छोड़कर मेरे देखने में ऐसी कोई दूसरी पुस्तक नहीं आयी, जिसमें स्त्रियों के प्रति इतने अधिक ममतापूर्ण और दयापूर्ण उद्‌गार हों।

इन प्राचीन श्वेत जटाधारी ऋषियों-मुनियों का स्त्रियों के प्रति सम्मान का कुछ ऐसा ढंग है कि उसका कदाचित् अतिक्रमण नहीं हो सकता।' कभी कभी यह कहा जाता है कि भगवान् श्री राम के आदर्श पुरूष होने के कारण ही सीताजी की उनके प्रति ऐसी भक्ति थी और यदि पति चरित्रवान् नहीं है तो उसके प्रति पत्नी की मंदभक्ति क्षम्य है। पर ऐसे तर्क से वैदिक आदर्श का अज्ञान ही झलकता है। वाल्मीकीय रामायण में हम देखते हैं कि जब दण्डकारण्य में भगवान् श्रीराम, सीता जी और लक्ष्मण अत्रि मुनि के अतिथि हुए थे, तब अत्रि पत्नी अनुसूया ने श्री सीता जी से कहा था, 'सीते! तुमने यह बड़ा सुन्दर किया जो वन में पति का साथ देने के निमित्त राजमहल के भोगों को लात मार दी; क्योंकि दुष्ट स्वभाव वाले, स्वेच्छाचारी, सद्‌गुणों से रहित पति को भी सती स्त्रियां परमेश्वर के ही रूप में ही देखती हैं।' बात

शेष पृष्ठ 30 पर . . .

'बियोंड रेसिपी' की गौऊओं के लिए अनूठी पहल

गौऊओं को सड़कों पर यहां वहां घूमते हुए देखकर सभी का मन दुखी तो होता है परंतु उनके लिए कुछ कर गुजरने का मादा बहुत कम ही लोग रखते हैं। ऐसी ही एक पहल संस्था 'बियोंड रेसिपी' द्वारा की जा रही है। इस संस्था के प्रदेश संयोजक प्रमोद साहू का कहना है कि वे जब भारतीय गौ को शहरों में आवारा पशुओं के समान विचरते हुए देखते थे और उनको आवारा पशुओं की संज्ञा दी जाती थी तो उनको बड़ा दुख पंहुचता था। इस कारण उन्होने फैसला कर लिया कि कुछ भी हो वह गौउओं के लिए काम करेंगे। इसके लिए उनकी संस्था ने संवेदना नाम की अनूठी पहल प्रारम्भ की।

इस पहल में उन्होंने स्थानीय ढाबों, होटल और रेस्तराओं के कर्मचारियों से संपर्क किया और उनसे प्रार्थना की कि जो भी खाना बचे उसे फैंका न जाये और सीधे शहर में घूमती गायों तक पहुंचाया जाये। इसके लिए उन्होंने शहर के विभिन्न भागों में प्लास्टिक के टबों को स्थापित किया। उनका कहना है कि इस अभियान का यह पहला चरण है इसे और अधिक प्रभावी बनाया जायेगा।❖

नेत्र ही नहीं अपितु किडनी का भी दान दिया वर्षा ने

भूंपल (सधवाण) की वर्षा अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन उसकी आंखों से कोई ओर देख सकेगा। दिल किसी ओर के शरीर में धड़केगा, तो किडनी और लीवर भी जिन्दगी की जंग हारने की कगार बैठे लोगों के लिए उम्मीद की किरण बन कर काम आएगा। एक हादसे का शिकार हुई भूंपल की वर्षा आखिर जिन्दगी की जंग हार गई। करीब 6 दिन तक जिन्दगी ओर मौत से जूझने के बाद वर्षा ने पीजीआई में बुधवार को दम तोड़ दिया। वर्षा के पति अजय शर्मा के भाई संजीव शास्त्री ने बताया कि वर्षा (29) की इच्छा के मुताबिक उसके कई अंगों को दान कर दिया गया। हालांकि परिजनों की सारे शरीर को दान करने की इच्छा थी, लेकिन 5-6 दिन वेंटीलेशन पर रहने के कारण कुछ अंग खराब हो गए थे। वर्षा कुछ दिन पहले अपने मायके जसाई गई थी। इस दौरान वह छत पर सब्जी तोड़ रही थी कि अचानक गिर गई जिससे वह बेहोश हो गई। गंभीर हालत में परिजन उसे पीजीआई चंडीगढ़ ले गए जहां 5-6 दिन तक उसे वेंटीलेटर पर रखा गया। आखिर वर्षा जिन्दगी की जंग हार गई और उसने दम तोड़ दिया। वर्षा ने एक माह पहले मायके में ही बच्ची को जन्म दिया था उस बच्ची की ममता को कुदरत ने एक माह के भीतर ही छीन लिया। वर्षा की आकस्मिक मौत से जहां इलाके में मातम छाया है वहीं उसके अंग दान के फैसले को हर कोई सराह रहा है। वर्षा अपने पीछे पति, पांच साल के बेटे और एक महीने की बेटी को छोड़ गई है।❖

हर हफ्ते लगती है धान ओपीडी, बांटते हैं बीज

यूं आप देखें तो वो एक किसान है। लेकिन है चलता-फिरता कृषि अनुसंधान केंद्र। एक-दो नहीं पूरी 426 प्रजातियों का धान है उनके पास। खुद खेती कर रहे हैं और बाकी को सिखाते भी हैं। पूछा-ये सब किसलिए तो बोले, हमारे इलाके में कुपोषण बहुत है। सही प्रजाति का चावल खाएं तो दूर हो सकता है। इसीलिए ऐसी प्रजातियां खोजता रहता हूं, जिनमें आयरन और बाकी तत्व तो हों ही, पैदावार भी खूब हो। बिलासपुर से 19 किलोमीटर दूर कोटा के गनियारी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीन काम करने वाले 40 वर्षीय होमप्रकाश साहू पिछले 23 सालों से कुपोषण के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अलग रास्ता अपनाया है। हर शुक्रवार धान ओपीडी में किसानों को नि:शुल्क बीज बांटते हैं। बीज ऐसे धान के जिसमें आयरन व अन्य खनिज ज्यादा हों। उन्हें फसल ज्यादा लेने के गुर भी सिखाते हैं। बिलासपुर-कोटा मार्ग में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में ही चार एकड़ का खेत है। यही उनकी प्रयोगशाला है। तरह-तरह के बीज लाकर उन्हें पैदावार में बदलना और बांटना, यही उनकी दिनचर्या है। होमप्रकाश छत्तीसगढ़ के बालौद जिले के टेंगनमार गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने वर्ष 2000 में रायपुर की एक निजी रिसर्च संस्था में खेती का काम-काज सीखा था। तब उन्हें इस बात की चिंता सताने लगी थी। धान का कटोरा कहलाने वाले छत्तीसगढ़ में इसकी कई वैरायटियां गुम होने की कगार तक पहुंच गई।❖

भारतवंशी किशोर ने ढूंढा ब्रेस्ट कैंसर का इलाज

भारतीय मूल के ब्रिटिश किशोर ने ब्रेस्ट कैंसर के सबसे खतरनाक रूप के इलाज का प्रभावशाली तरीका ढूंढ़ने का दावा किया है। भारतीय मूल के 16 वर्षीय कृतिन नित्यनंदम् ने ऐसे उपाय का पता लगाया है, जिससे ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर पीड़ितों पर दवा असरदार साबित हो सकेगी। इस पर मौजूदा समय में दवा का असर नहीं होता है। सर्जरी, रेडिएशन और कीमोथेरेपी से ही इसके प्रसार को रोकना संभव है। इसके लिए नित्यनंदम् को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित 'द बिग बैंग फेयर' के फाइनल में जगह दी गई है। एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरॉन या ग्रोथ केमिकल में गड़बड़ी के कारण ब्रेस्ट कैंसर के मामले सामने आते हैं। इसे दवा (जैसे टैमोक्सीफेन) की मदद से रोका जा सकता है, ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में रिसेप्टर के अभाव के कारण दवाएं असरहीन हो जाती हैं। रिसेप्टर एक तरह का कोशिकीय ढांचा होता है जो रासायनिक पदार्थों के प्रति संवेदनशील है। यह रिपोर्ट 'द संडे टेलीग्राफ' में नित्यनंदम् के हवाले से प्रकाशित हुई है। ❖ **साभारः दैनिक जागरण**

आस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा मंदिर खुलने को तैयार

आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में हिन्दुओं का सबसे बड़ा मंदिर बनकर उपासना के लिए तैयार हो गया है। जानकारी के मुताबिक यह दुर्गा मंदिर 30 नवम्बर को आधिकारिक रूप से खोल दिया जाएगा। मंदिर मेलबर्न के रॉकबैक उपनगर में है। इस मंदिर के उद्घाटन के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारी शुरू हो चुकी है। मंदिर का निर्माण पांच सालों से चल रहा था और अब यह आस्ट्रेलिया में रह रहे हिन्दू समुदाय के लोगों के लिए खोला जाएगा। आस्ट्रेलिया में हिंदू समुदाय की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत में जन्मे आस्ट्रेलियाई बाशिंदों की संख्या वर्ष 2004 में 132800 से बढ़कर वर्ष 2014 में 397200 हो गई है, जो तिगुनी वृद्धि है। हिंदू धर्म आस्ट्रेलिया में तेजी से बढ़ते धर्मों में शामिल है। श्री दुर्गा मंदिर का प्रबंधन इस मंदिर को एक गैर-लाभकारी संगठन बनाने पर भी विचार कर रहा है।❖**साभारः त्रिकुटा संकल्प**

हिलेरी बोलीं 'जय स्वामीनारायण'

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन ने स्वामीनारायण संप्रदाय के मुखिया प्रमुख स्वामी महाराज को वैदिक आस्था में वैश्विक भरोसा जगाने वाला और वैदिक मूल्यों पर आधारित समुदाय की स्थापना करने वाला महापुरूष बताया है। प्रमुख स्वामी के निधन पर क्लिंटन ने अपने बयान में कहा, 'प्रमुख स्वामी ने सिर्फ धर्म, सदाचार की शिक्षा ही नहीं दी बल्कि उसे हर दिन जिया। यही गुण उन्हें दुनिया भर में फैले उनके लाखों श्रद्धालुओं का गुरू बताता है। न्यूजर्सी के अक्षरधाम मंदिर अमेरिका के उन अनगिनत मंदिरों में शामिल है जिन्हें प्रमुख स्वामी ने धन्य किया। 'जय स्वामीनारायण' के उद्घोष के साथ अपने शोक संदेश को समाप्त करते हुए हिलेरी ने कहा कि उनके पति बिल क्लिंटन को यहां अमेरिका में और गुजरात के अक्षरधाम मंदिर में उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।❖

जि़न्दगी की जंग हार गए

ब्रि. जगदीश गगनेजा

जालंधर(विसंके) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पंजाब प्रांत के सह संघचालक ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जगदीश गगनेजा का निधन 22 सितम्बर प्रातः के समय हो गया। 06 अगस्त, 2016 की सायं जालंधर के ज्योति चौक पर अज्ञात हमलावरों ने उन्हें गोलियां मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। गगनेजा जी को अति गंभीर हालत में लुधियाना के दयानंद मेडिकल अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां वीरवार 22 सितंबर की सुबह उनका स्वर्गवास हो गया।

जीवन में सादगी इतनी थी कि प्रशासन ने उन्हें सुरक्षा उपलब्ध करवाने का आग्रह किया तो उन्होंने इसे सहजभाव से अस्वीकार कर दिया। उनका कहना था कि वे कोई विशिष्ट व्यक्ति नहीं, बल्कि इस देश के साधारण नागरिक हैं। पूरा देश उन्हीं का है और सभी मेरे भाई-बंधू हैं। मुझे अपने किसी बंधु से किसी तरह का कोई खतरा नहीं है। सेना से उच्च पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात् भी अहंकार नही था। आप जीवन के अंतिम क्षण तक भी सक्रियता से सैनिक की भांति सेवा हेतु तत्पर रहते थे। सरल एवं मृदुभाषी स्वभाव के कारण आपके सम्पर्क में आया प्रत्येक व्यक्ति प्रभावित हुए बिना नही रहता था। उच्च जीवट के धनी ब्रिगेडियर(स्व0) जगदीश गगनेजा को मातृवन्दना संस्थान की भावभीनी श्रद्धांजलि। ❖

एक सेवाभावी कर्मयोगी का अवसान

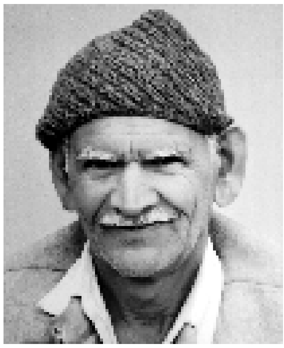

नूरपुर के प्रसिद्ध आर्यसमाजी रूपलाल महाजन रूपलाल अपने माता-पिता के साथ विभाजन का दंश झेलने के पश्चात् सियालकोट से कांगड़ा के नूरपुर स्थान पर आ बसे। प्रारंभिक दौर में अपनी चल-अचल सम्पत्ति पाकिस्तान में गंवाने के बाद जीवन संघर्षमय बीता। आप अपने जीवन काल में गरीबों असहाय पीड़ितों की सेवा सुश्रुषा में लगे रहते थे। आपकी लगन एवं कर्मठता से प्रभावित तत्कालीन आर्यसमाज के प्रतिनिधियों ने आपसे दायित्व निभाने का आग्रह किया जिसे आपने जीवन के अंतिम क्षण तक निभाया। क्षेत्र के निवासी भी आपकी सेवा के लिए प्रभावित हुए बिना नहीं रहे। गत महीने आपका निवास पर हृदय गति रूकने से देहावसान हो गया। स्व0 रूपलाल अपने पीछे एक भरापूरा परिवार छोड़ गये। आपके सुपुत्र अशोक जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नूरपुर के संघचालक भी सेवा कार्यों से जुड़े हुए हैं। आपका जीवन प्रेरणास्रोत रहा है। मातृवन्दना संस्थान की ओर से सेवाभावी एवं कर्मठ स्व. रूपलाल महाजन को विनम्र श्रद्धांजलि। ❖

गौलोकवासी हुई दयालु, सहृदयी भवानी सिंह रॉय

जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश के सेवा प्रमुख श्री जयदेव सिंह जी की पूज्य माताजी का देहांत 19 सितम्बर प्रातः 11.30 बजे अपने निवास दुर्गापुर जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल में हो गया। स्व. भवानी सिंहरॉय पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी। वे अपने पीछे चार पुत्रों व एक पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ परलोक सिधार गईं। आपके सभी सुपुत्र समाज सेवा में लगे हुए हैं एवं सुपुत्र जयदेव सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक के रूप में अपनी सेवाए दे रहे हैं। शोक सांत्वना हेतु सम्पर्क सूत्र: श्री समीर सिंह रॉय - 09474556538

सिंदूर लगाने पर ऐतराज जताने वालों को अभिनेत्री सना ने दिया करारा जवाब

टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक 'कृष्णदासी' में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सना अमीन शेख ने सिंदूर लगाने पर उन्हें गैर-मुस्लिम कहने वाले अपने मुसलमान प्रशंसकों व मौलवियों को करारा जवाब दिया है। सीरियल 'कृष्णदासी' में चूंकि अभिनेत्री एक हिंदू लड़की का किरदार निभाती है इसलिए उसे सिंदूर लगाना और मंगलसूत्र पहनना पड़ता है। इस सीरियल की कुछ तस्वीरों को अभिनेत्री ने सोशल साइट फेसबुक पर पोस्ट किया। इस पर अभिनेत्री के प्रशंसकों ने यह कहना शुरू कर दिया कि वह एक सच्ची मुसलमान नहीं है क्योंकि वह सिंदूर लगाती है। सना के एक प्रशंसक ने ट्वीट किया, 'तुम एक मुस्लिम हो फिर भी सिंदूर लगाती हो।'

अपने मुसलमान प्रशंसकों को करारा जवाब देते हुए सना ने फेसबुक पर लिखा, 'यदि आप लोगों को मुझसे समस्या है तो आप लोग इंस्टाग्राम और अन्य सोशल साइटों से हट जाएं क्योंकि वे भी इस्लाम में हराम हैं।' सना ने लिखा, 'कुछ लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि तुम शूटिंग के बाद घर जाने पर भी सिंदूर क्यों लगाती हो?तुम मंगलसूत्र क्यों पहनती हो? मैं उन लोगों को बताना चाहती हूं कि सिंदूर मेरे बालों से सिर्फ तब हटता है, जब मैं अपने बालों को धोती हूं। मैं अपनी पसंद का कुछ भी पहनूं, कुछ भी करूं। इसका मतलब ये नहीं है कि मेरे मुसलमान होने में कोई फर्क पड़ता है। मेरी मां और नानी दोनों मंगलसूत्र पहनती हैं। यह सुहाग का प्रतीक है। क्या इससे वे कम मुसलमान हो जाती हैं? मुझे पता है कि ऐसा लिखकर मैं मैसेज भेजने वालों से भिड़ने जा रही हूं। लेकिन उन्हें जवाब देना जरूरी है। मैं उनसे पूछना चाहती हूं, क्या सिंदूर लगाने से अल्लाह मुझे दोजख में भेज देंगे? और उन्हें जन्नत भेजेंगे। जो कट्टर मुस्लिम मुझे ये बातें लिख रहे हैं, वे इंस्टाग्राम और फेसबुक छोड़ क्यों नहीं देते हैं?क्या यह एंटरटेन्मेंट नहीं है?आखिर तुम लोग टीवी पर मेरा सीरियल क्यों देखते हो, क्या यह हराम नहीं है?इस तरह अपना वक्त इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य मनोरंजन साधनों पर बरबाद कर क्या तुम्हें लगता है कि तुम जन्नत जाओगे? और यहां मुझे हिदायत दे रहे हो।'

एक अन्य टीवी चैनल पर चल रही डिबेट में भी जमाएता उलेमा ए हिंद के मौलाना अब्दुल हशीद व ऑल इंडिया इमाम एशोसिएशन के मौलाना साजिद रशीदी के तीखे आरोपों का जवाब देते हुए सना ने कहा कि इस्लाम मेरी व्यक्तिगत आस्था का मामला है। जितना मैं जीवन में व्यावहारिक रूप से अपना सकूंगी उतना ही अपनाऊंगी। कोई मुझे इस्लाम से निकाल नहीं सकता।❖

पृष्ठ 26 का शेष . . .

यही है कि पति को परमेश्वर मानकर स्त्री पूर्णत्व लाभ कर सकती हैं। यह आवश्यक नहीं है कि पति श्रेष्ठ गुणसम्पन्न हो, जिसकी सेवा से पत्नी अपना स्वभाव अधिक अच्छा बना सके। पति सेवा से पत्नी को केवल पारलौकिक कल्याण की ही प्राप्ति नहीं होती। यदि वह अपनी इच्छा को पति की इच्छा में विलीन कर दे तो इस लोक में भी उसका जीवन अधिक सुखमय बन जाता है। उसकी उन्नति में ही उन्नति है। अपनी स्वतन्त्र सत्ता बनाए रखने की अपेक्षा पति के अधीन होकर पत्नी पति को अधिक वश में कर सकती है। विवाहित जीवन की सुख-शान्ति के लिए यह आवश्यक है कि एक आज्ञा दे और दूसरा उसे शिरोधार्य करे। पति पत्नी का आदेश माने, इसकी अपेक्षा पत्नी का पति की आज्ञा मानना अधिक नैसर्गिक है। ईसाई मत को मानने वाली जातियों के विवाहों में भी पत्नी ही पति का आदेश मानने का वचन देती है। पर ईसाई मत इस भावना को इस सैद्धान्तिक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा सकता कि पत्नी को पति की पूजा करनी चाहिए और यदि पति की मृत्यु हो जाए तो पुनर्विवाह की कल्पना भी नहीं करनी चाहिए। कहने में विरोध भले ही दिखे, पर यह निश्चित बात है कि हिंदू परिवार में जहां स्त्री पति के नितान्त अधीन रहती है, घर में शासन उसी का होता है, पति का नहीं। बंगला के प्रसिद्ध लेखक बंकिम चंद्र चटर्जी ने लिखा है कि 'हिंदू ऋषियों की बुद्धि इस बात को समझने में समर्थ हुई कि यद्यपि भगवान् निराकार और निस्सीम हैं, पर उनका यह रूप साधारण मनुष्यों लिए अवगम्य नहीं'। इसलिए एक ऐसे साकार और समीप रूप की आवश्यकता हुई, जिसकी पूजा की जा सके। पत्नी के लिए पूजा की सबसे अधिक स्वभावानुकूल वस्तु उसका पति है। इसीलिए ऋषियों का यह वचन है कि पत्नी को पति की परमेश्वर की भांति पूजा करनी चाहिए। ❖ **साभार: कल्याण नारी अंक**

प्रवासी पक्षी अपना रास्ता कैसे ढूंढते हैं?

-घनश्याम पंडित

हर वर्ष वसंत में लाखों पक्षी प्रजनन के लिए अपने ठंडे क्षेत्रों से गर्म स्थानों की ओर प्रवास करते हैं। इन क्षेत्रों में भोजन की प्रचुरता होती है, जिसमें ये पक्षी अपने बच्चों की भूख शांत करते हैं। सबसे बड़े प्रवास उत्तरी अमरीका, यूरोप तथा एशिया के भागों की ओर होते हैं। कुछ प्रवास दक्षिणी गोलार्द्ध की ओर भी होता है। उदाहरण के लिए दोहरी पट्‌टी वाले डॉट्रेल प्रजनन के लिए ऑस्ट्रेलिया से न्यूजीलैंड जाते हैं। अमरीकी गोल्डन प्लोवर अलास्का तथा हवाई के बीच बिना रूके 3325 किलोमीटर की उड़ान भरते हैं। उत्तरी गोलार्द्ध में जंगली बत्तखें वसंत में अपने प्रजनन क्षेत्रों के लिए उत्तर की ओर तथा पतझड़ में दक्षिण की ओर प्रवास करते हैं। प्रवास का मुख्य कारण दिन की लम्बाई में परिवर्तन होता है, जिसकी वजह से पक्षियों में हार्मोन संतुलन में परिवर्तन आ जाता है। अब प्रश्न यह उठता है कि किसी स्थान से प्रवास करते समय या अपने मूल स्थान पर वापस आते हुए पक्षी अपना रास्ता कैसे ढूंढ लेते हैं। कुछ पक्षी यह सब अपने माता-पिता से सीखते हैं। वे अपना पहला प्रवास बड़ी आयु के पक्षियों के साथ करते हैं जो इससे पहले भी ऐसा दौरा कर चुके होते हैं। ये युवा पक्षी अगले वर्ष प्रवास का यह रास्ता अपने से छोटे पक्षियों को बताते हैं कुछ पक्षी अपना मार्ग दर्शन भूमि पर स्थित संकेत चिन्हों से करते हैं जैसे कि पर्वत, झीलें तथा तट आदि। अन्य पक्षी रास्ते के लिए सितारों तथा सूर्य की सहायता लेते हैं इसलिए यदि किसी दिन आकाश बादलों से ढंका हो वे आमतौर पर रास्ता भटक जाते हैं। दरअसल वैज्ञानिक अभी भी यह नहीं जान सके हैं कि किस तरह से सभी प्रवासी पक्षी अपना रास्ता तलाश लेते हैं। केवल पक्षी ही ऐसे जीव नहीं हैं जो प्रवास करते हैं। कई तरह की मछलियां, स्तनपायी, उड़ने वाले कीड़े-मकौड़े, टिड्डे, ईल भी प्रवास करती हैं। ❖

अपनी संस्कृति को पहचानें

दो पक्ष- कृष्ण पक्ष, शुक्ल पक्ष
तीन ऋण - देवऋण, पितृऋण, ऋषिऋण
चार युग- सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग
चार धाम- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम्
चार पीठ- शारदा पीठ, ज्योतिर्मठ, गोवर्धन पीठ, शृंगेरीपीठ
चार वेद- ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद, सामवेद,
चार आश्रम- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास
चार अंतःकरण- मन, बुद्धि , चित्त ,अहंकार
पंचगव्य-गाय का घी, दूध, दही, गोमूत्र, गोमय
पंचदेव- गणेश, विष्णु, शिव, देवी, सूर्य
पंच महाभूत - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु ,आकाश
छह दर्शन- वैशेषिक, न्याय, सांख्य, योग, नाट्य दर्शन, पूर्व मिसांसा
सप्तऋषि-विश्वामित्र, जमदग्नि, भारद्वाज, गौतम, अत्रि, वशिष्ठ और कश्यप
आठ योग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि।
आठ लक्ष्मी- आग्घ, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग एवं योग लक्ष्मी
नव दुर्गा- शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्रि
दस दिशाएं -पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, ईशान, आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य, आकाश एवं पाताल
मुख्य अवतार- मत्स्य, कश्यप, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, श्रीराम, कृष्ण, बलराम, बुद्ध एवं कल्कि
बारह मास-चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन
बारह राशि- मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, कन्या
बारह ज्योतिर्लिंग-सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओमकारेश्वर, बैजनाथ, रामेश्वरम, विश्वनाथ, त्र्यंब्केश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर, भीमशंकर, नागेश्वर
पंद्रह तिथियाँ- प्रतिपदा, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा-अमावस्या
स्मृतियां- मनु, विष्णु, अत्रि, हारीत, याज्ञवल्क्य, उशना, अंगीरा, यम, आपस्तम्ब, सर्वत, कात्यायन, बृहस्पति, पराशर, व्यास, शांख्य, लिखित, दक्ष, शातातप, वशिष्ठ।

चुटकुले

1. मोहन (दुकानदार से) – मुझे एक कैलेंडर चाहिए।
दुकानदार– कैसा कैलेंडर चाहिए?
मोहन– जिसमें सबसे ज्यादा छुट्टियां हों।

2. अध्यापक – बताओ पक्षियों की नजर तेज़ होती या इंसानों की?
छात्र –पक्षियों की।
अध्यापक – वो कैसे?
छात्र – मैंने आज तक पक्षियों को चश्मा लगाते नहीं देखा।

3. पापा– (अपने बच्चे से)अब तुम्हारी परीक्षाएं नज़दीक हैं। तुम्हें मन लगाकर पढ़ना चाहिए।
बच्चा– पापा, रात को तो मैं सोता हूं।
पापा– अरे पागल यही तो समझा रहा हूं कि रात को भी पढ़ा करो।
बच्चा– पर पापा, आप ने तो कहा था कि रात को उल्लू जागते हैं।

4. भिखारी – (अपने बेटे से) ले बेटा, टिकट अब अपनी लाटरी निकलेगी, और हमें कार मिल जाएगी।
बेटा– (खुशी से) तो बापू, अब हम कार में भीख मांगने जाएंगे।

5. एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत नहीं थी कि बच्चे को निकाल लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चे को निकाल लाए।
तभी वहां उपस्थित लोगों में से एक बोला – बड़ी हिम्मत की आपने!
हिम्मत की ऐसी तैसी। पहले यह बताओ मुझे धक्का किसने दिया था।

प्रश्नोत्तरी

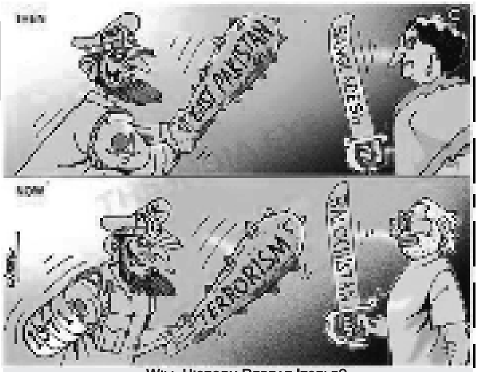

WILL HISTORY REPEAT ITSELF?

1. लोक कल्याण मार्ग किस मार्ग का परिवर्तित नाम रखा गया है?
2. इंदिरा आवास योजना का नया नाम क्या है?
3. गुट निरपेक्ष देशों का सम्मेलन कहां आयोजित किया गया?
4. उड़ी आतंकी घटना किस देश ने पाकिस्तान से सैन्य समझौता कर दिया है?
5. गोदान, रंगभूमि, प्रेमाश्रम एवं निर्मला आदि के रचयिता कौन थे?
6. विश्व जल दिवस किस दिन मनाया जाता है?
7. रियो ओलम्पिक में भारत ने कितने पदक जीते?
8. किसी भारतीय विधानसभा की पहली महिला स्पीकर कौन थीं?
9. आगामी कबड्डी विश्व कप किस शहर में आयोजित किया जाएगा?
10. भारतीय क्रिकेट का 500वां टेस्ट किस स्थान पर खेला जा रहा है?

उत्तर: 1. 7 रेस कोर्स रोड, 2. प्रधानमंत्री आवास योजना, 3. वेनेजुएला 4. रूस 5. मुंशी प्रेमचंद, 6. 22 मार्च, 7. दो 8. शन्नो देवी, 9. अहमदाबाद 10. कानपुर में।

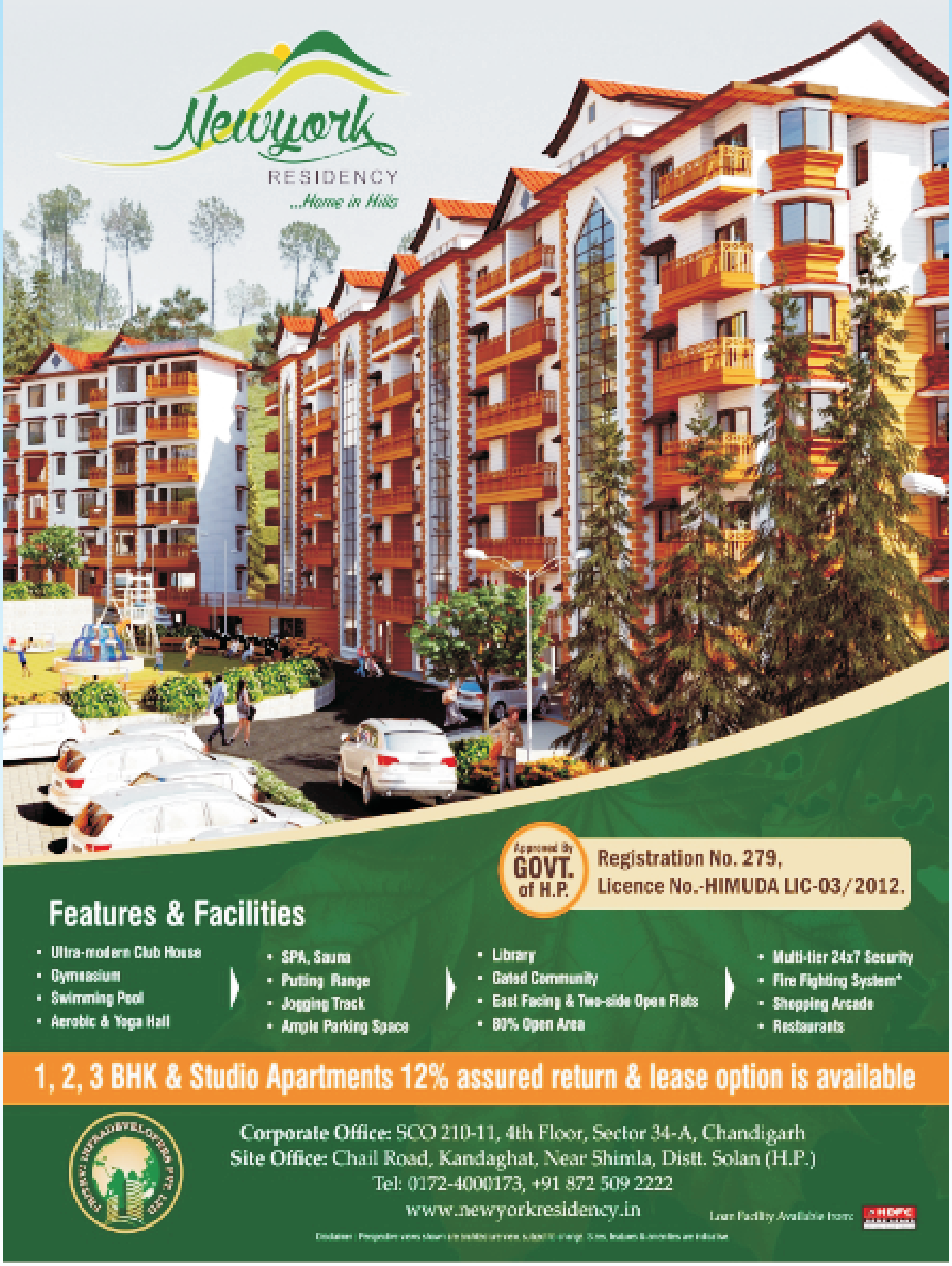
Newyork
RESIDENCY
...Home in Hills
Approved By GOVT. of H.P.
Registration No. 279,
Licence No.-HIMUDA LIC-03/2012.
Features & Facilities
• Ultra-modern Club House
• Gymnasium
• Swimming Pool
• Aerobic & Yoga Hall
• SPA, Sauna
• Putting Range
• Jogging Track
• Ample Parking Space
• Library
• Gated Community
• East Facing & Two-side Open Flats
• 80% Open Area
• Multi-tier 24x7 Security
• Fire Fighting System*
• Shopping Arcade
• Restaurants
1, 2, 3 BHK & Studio Apartments 12% assured return & lease option is available
Corporate Office: SCO 210-11, 4th Floor, Sector 34-A, Chandigarh
Site Office: Chail Road, Kandaghat, Near Shimla, Distt. Solan (H.P.)
Tel: 0172-4000173, +91 872 509 2222
www.newyorkresidency.in
Loan Facility Available from:
HDFC

HP/48/SML (upto 31-12-2017) Pre Paid RNI No. HPHIN/2001/04280

HIM AGRO FOOD CORPORATION
Global Solution Provider For Agro Food Industry

BRINGING TOGETHER THE MAKER & THE TAKER

New age Technology that connects the Farmer and the Consumer; serving India from the farm to the fork.

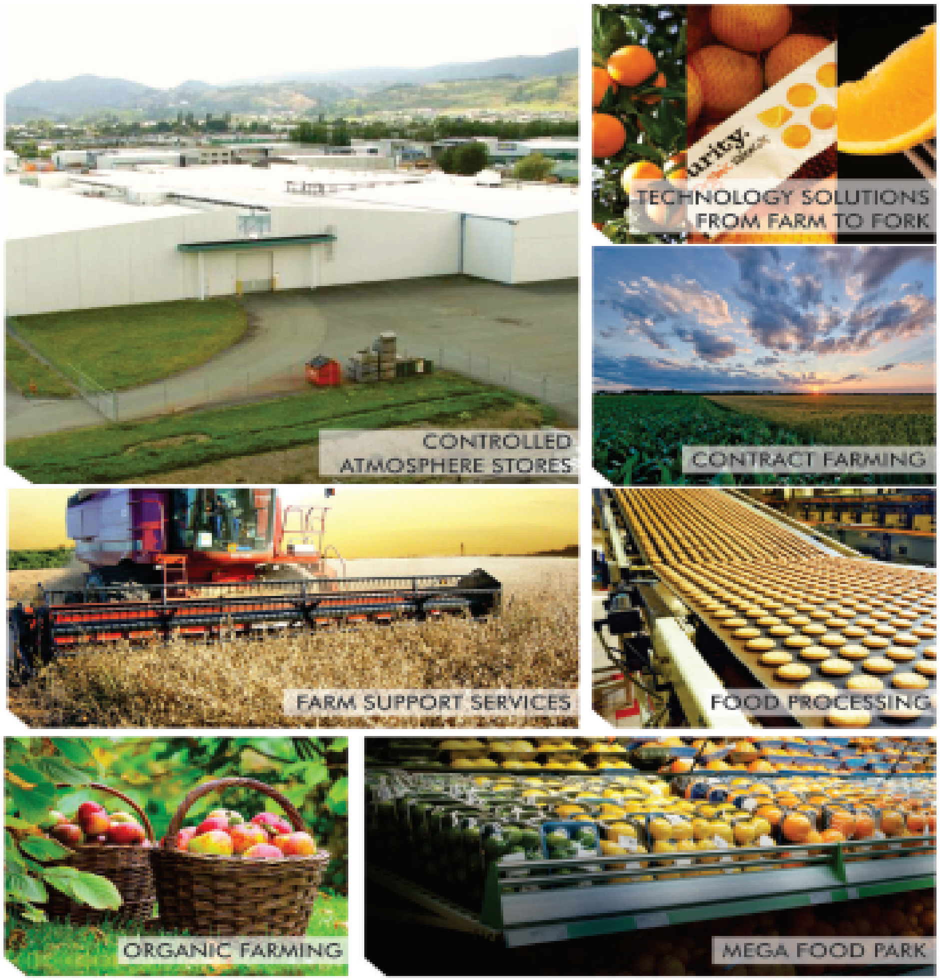

Season's Greetings

HIM AGRO FOOD CORPORATION, SCO 118-119-120, 4th FLOOR, SECTOR 34-A,
CHANDIGARH-160022, PHONE: +91 172 4989999, www.hafcoindia.com

Designed by : New Era Graphics, Shimla Ph. : 2628276

मातृवन्दना
प्रकाशक एवं मुद्रक कमल सिंह सेन द्वारा मातृवन्दना संस्थान के लिए सवितार प्रैस, प्लॉट 820, फेस - 2, उद्योग क्षेत्र चंडीगढ़ से मुद्रित तथा डॉ. हेडगेवार भवन, नाभा, शिमला - 171004, से प्रकाशित।